दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 323/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 09 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

शेयर बाजार में मजबूती लौटी, सेंसेक्स 80100, निफ्टी 24350 के पार पहुंचा

सांध्यप्रकाश विशेष

आईएएस ज्योति यादव की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि 2 साल बढ़ाई गई

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा में उत्तराखंड कैडर की 2009 बैच की आईएएस अधिकारी ज्योति यादव के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि 2 साल के लिए बढ़ा दी गई है। इस संबंध में डीओपीटी द्वारा जारी आदेश के अनुसार अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट ने डायरेक्टर कॉमर्स ज्योति यादव की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि सेंट्रल स्टाफिंग योजना के तहत 13 जून 2026 तक बढ़ा दी है।

2 आईएएस अधिकारी सेक्रेटरी स्तर पर एंपेनल्ड

केंद्र सरकार ने दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को सेक्रेटरी स्तर पर एंपेनल्ड किया है। ये अधिकारी हैं- हरियाणा कैडर के 1988 बैच के टी वी एस एन प्रसाद और पंजाब कैडर के 1990 बैच के अनुराग अग्रवाल। प्रसाद वर्तमान में हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी हैं और अनुराग अग्रवाल पंजाब सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

सिंगर ऊषा उत्थुप के पति जानी उत्थुप का हार्ट अटैक से निधन

मुंबई। इंडियन पॉप आइकॉन और अपनी अलग आवाज के लिए पॉपुलर सिंगर ऊषा उथुप के पति, जानी चाको उथुप का सोमवार को निधन हो गया. उनके परिवार ने बताया कि उन्होंने कोलकाता में अंतिम सांस ली है. सिंगर के पति के निधन की जानकारी उनके परिवार की तरफ से दी गई है, जिसमें बताया गया कि जानी चाको उत्थुप का बीते दिन सोमवार को कोलकाता में निधन हो गया है. परिवार ने आगे बताया कि जानी अपने घर में बैठकर टीवी देख रहे थे. अचानक उन्हें बैचेनी होने लगी, मौके पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिंगर उषा उत्थुप के पति जानी चाको उत्थुप घर में टीवी देख रहे थे. अचानक से उन्हें बेचैनी होनी शुरू हो गई. जैसे ही उनके परिजनों को पता चला तो उन्होंने मौके जानी चाको उत्थुप को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया. हालांकि तब तक काफी देर हो चुकी थी. डॉक्टर ने जानी को मृत घोषित कर दिया. डॉक्टरों ने बताया कि जानी की मौत दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुई है. जैसे ही यह खबर सामने आई तो म्यूजिक इंडस्ट्री और उषा उत्थुप के फैंस में शोक की लहर दौड़ गई।

वेंटीलेटर पर पड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए होंगी 40 हजार भर्तियां

भोपाल। मप्र की स्वस्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से वेंटीलेटर पर है और अब उसकी व्यवस्था सुधारने के लिए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने काम करना शुरु कर दिया है। स्वस्थ्य विभाग की ओर से कर्मचारी चयन मंगल को आदेश जारी किया गया है कि वो स्वस्थ्य विभाग में खाली पड़े पदों को भर्ती करने की प्रक्रिया शुरु करे। स्वस्थ्य विभाग में कुल 40 हजार भर्तियां की जानी है जिसे तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरह में दस हजार और दूसरे चरण में 18 हजार और अंतिम चरण में 12 हजार भर्तियां की जाएंगी। इसमें चिकित्सकों के अलावा नर्श और अन्य टेक्नीशियन स्टाफ भी शामिल हैं। मामले की जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने कहा कि स्वस्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सरकार की ओर से गंभीर कदम उठाए जा रहे है जिससे अस्पताल में इलाज के लिए जाने वाले मरीज और उनके परिजनों को किसी प्रकार की समस्या न हो और सभी का समान रुप से इलाज हो सके। स्वस्थ्य विभाग की भर्तियों को लेकर कैबिनेट की तरफ से भी मंजूरी मिल चुकी है। अब कर्मचारी चयन मंडल के पाले में गेंद है कि इस पूरी प्रक्रिया को वो कितनी जल्दी और कितनी पारदर्शिता के साथ कर पाता है।

हाथरस हादसा: योगी का पहला एक्शन एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, इंस्पेक्टर समेत 6 अफसर सस्पेंड

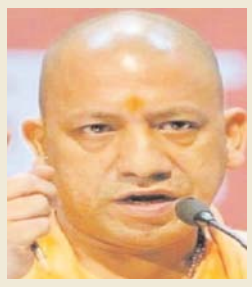

लखनऊ। हाथरस हादसे के 7 दिन बाद यूपी सरकार ने पहला बड़ा एक्शन लिया। एसडीएम, सीओ, इंस्पेक्टर समेत 6 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। सरकार ने एसआईटी की रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की। एसआईटी ने सोमवार रात सीएम योगी को 900 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी।, सरकार ने एसडीएम रविंद्र कुमार, सीओ आनंद कुमार के अलावा इंस्पेक्टर, तहसीलदार और चौकी इंचार्ज कचौरा और पारा को सस्पेंड कर दिया। एसआईटी ने रिपोर्ट में कहा- हादसे में साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसकी गहनता से जांच जरूरी है। हादसा आयोजकों की लापरवाही से हुआ। स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया। वरिष्ठ अफसरों को इसकी जानकारी तक नहीं दी गई। भीड़ के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए, जिसके चलते हादसा हुआ है। आयोजकों ने बिना पुलिस वैरिफिकेशन जिन लोगों को अपने साथ जोड़ा, उनसे अव्यवस्था फैली है। जांच के दौरान 150 अफसरों, कर्मचारी और पीड़ित परिवारों के बयान दर्ज किए।

सुप्रीम कोर्ट: सीजेआई ने याचिका सूचिबद्ध करने के निर्देश दिए

सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस भगदड़ मामले की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की तारीख दे दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि उन्होंने सोमवार को याचिका को सूचिबद्ध करने के निर्देश दिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में दो जुलाई को भोले बाबा के सत्संग में भगड़द मच गई, जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई। भगदड़ की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति की नियुक्ति की मांग की गई है।

मॉस्को में भारतवंशियों को पीएम का संबोधन कहा-रूस मतलब भारत के सुख-दुख का साथी

चुनौती को चुनौती देना मेरे डीएनए में : मोदी

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस दौरे के दूसरे दिन मॉस्को में भारतवंशियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा- चुनौती को चुनौती देना मेरे डीएनए में है। आज दुनिया भारत का विकास देखकर आश्चर्यचकित है। हमारे पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप सिस्टम है। पीएम ने कहा- भारत-रूस के बीच अनोखा रिश्ता है। रूस का नाम सुनते ही भारतीयों के मन में आता है, हमारा सुख-दुख का साथी।

पीएम ने कहा- मैं अपने साथ हिंदुस्तान की मिट्टी की महक लेकर आया हूं। 140 करोड़ देशवासियों का प्यार लेकर आया हूं उनकी शुभकामनाएं आपके लिए लेकर आया हूं। तीसरी बार पीएम बनने के बाद मेरा पहला संवाद मॉस्को में हो रहा है। मुझे आज शपथ लिए पूरा एक महीना हो गया है। मैंने प्रण लिया था, मैं तीसरी टर्म मे तीन गुणा रफ्तार से काम करूंगा।

पीएम मोदी ने कहा- 60 साल के इतिहास में भारत में कोई सरकार तीसरी बार चुनी जाए, ये बड़ी बात है। इस चुनाव में सारे कैमरा मोदी पर लगे रहे। इससे दूसरी घटनाओं पर लोगों का ध्यान नहीं गया। सिक्किम, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और अरूणाचल प्रदेश में चुनाव हुए उनमें एनडीए गठबंधन ने बड़ी जीत हासिल की। उड़ीसा ने तो कमाल कर दिया। वहां आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा है। मैं उड़ीया स्कार्फ पहन कर आपके सामने आया हूं। भारत-रूस के रिश्ते अमर प्रेम की कहानी है। ये दिनों दिन बढ़ती रहेगी, सपनों को संकल्प में बदलती रहेगी।

हमने दुनिया को ग्रोथ की उम्मीद दी

पीएम ने कहा- भारत की ग्रोइंग कैपिबिलिटी देखिए, हमने दुनिया को ग्रोथ की उम्मीद दी है। दुनिया की राजनीति के बदलते आयामों में भारत अहम भूमिका निभा रहा है। जब दुनिया पर संकट आता है तो सबसे पहले भारत पहुंचता है। पीएम मोदी ने भारतीयों के रूसी सेना में फंसे होने का मुद्दा उठाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष रूसी सेना में भारतीयों के फंसे होने का मुद्दा उठाए जाने के बाद रूस ने रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों को बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि कई भारतीयों को धोखा देकर रूसी सेना में भर्ती करने का खुलासा हुआ था। दर्जनों भारतीय रूसी सेना में फंसे हैं और कई भारतीय रूस-यूक्रेन युद्ध में मोर्चे पर तैनात हैं। दो दिवसीय रूस यात्रा पर मॉस्को आए प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार शाम राष्ट्रपति पुतिन के साथ निजी रात्रिभोज में यह मुद्दा उठाया। जिस पर रूसी राष्ट्रपति अपनी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों को बर्खास्त करने और उनकी भारत वापसी में मदद करने पर सहमत हो गए।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज महाराष्ट्र प्रवास के दौरान यवतमाल जिले के कलम्ब में दीनदयाल प्रबोधिनी पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वहां उपस्थित प्रबुद्धजनों के साथ पौधरोपण कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने चिंतामणि गणेश मंदिर में भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना कर सभी के मंगल और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

राहुल गांधी पहुंचे रायबरेली, हनुमान मंदिर में पूजा की

शहीद कैप्टन अंशुमान का परिवार मिलने पहुंचा

रायबरेली। राहुल गांधी रायबरेली में कीर्ति चक्र सम्मानित कैप्टन अंशुमान सिंह के परिवार से मुलाकात करेंगे। शहीद की पत्नी स्मृति से भुए मऊ गेस्ट हाउस में पहुंच गई हैं। 3 दिन पहले राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से स्मृति ने कीर्ति चक्र सम्मान लिया था। राहुल आज सुबह 10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरे। सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे। रास्ते में रुक कर हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर में 15-20 मिनट तक रुके।

राहुल पार्टी कार्यकर्ताओं, वकील, डॉक्टर संघ और व्यापार मंडल से मुलाकात करेंगे। रायबरेली एम्स भी जाएंगे। 5 दिन में राहुल का यह दूसरा यूपी दौरा है। 3 जुलाई को राहुल हाथरस गए थे। उन्होंने हाथरस पीड़ितों से मुलाकात की थी। दरअसल, रायबरेली राहुल गांधी की

प्राथमिकता सूची में पहले स्थान पर है। इसका जिक्र वह लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी कर चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि भुएमऊ गेस्ट हाउस में बैठक के दौरान संगठन को और ताकतवर बनाने पर चर्चा करेंगे। इस दौरान राहुल के अपनी मां सांसद सोनिया गांधी की निधि से जो काम हुए हैं, उनके बारे में भी जानकारी लेंगे। राहुल के आगमन को देखते हुए भुएमऊ गेस्ट हाऊस पर सभी तैयारियां कर ली गई हैं। पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में उत्साह दिख रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाया पौधा

इंदौर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को शहर पहुंचे। वे आज इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल हुए। इंदौर पहुंचने पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव आदि ने लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया। रेसीडेंसी कोठी इंदौर में संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता, कलेक्टर आशीष सिंह एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सौजन्य भेंट की।

लोक सभा अध्यक्ष बिरला को गार्ड ऑफ ऑनर भी पेश किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बिजासन फॉरेस्ट कैम्प में आयोजित समारोह में जाएंगे। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। बिरला ने पितृ पर्वत पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ पौधा लगाया।

जानकारी के अनुसार ओम बिरला दोपहर में इंदौर नगर निगम के नए अटल परिषद हॉल में पार्षदों से चर्चा करेंगे। वे और सदन के संचालन और वहां सवालों के प्रस्तुतिकरण के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। ओम बिरला शाम को स्थानीय रविन्द्र नाट्य गृह में आयोजित नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राफेल मरीन जेट डील-फ्रांस से दूसरे दौर की चर्चा शुरू:भारत नौसेना के लिए 26 जेट खरीदने कर रहा मोलभाव

पुणे भारत 26 राफेल मरीन जेट खरीदने के लिए फ्रांस के साथ चल रही बातचीत के दौरान बेहतर कीमत पाने के लिए कड़ा मोलभाव कर रहा है, इस सौदे की कीमत 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है। 8 जुलाई को फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की दूसरे दौर की चर्चा शुरू हुई। इसके अगले 10-12 दिन चलने की उम्मीद है।

हिंद महासागर में तैनाती होगी

भारत बातचीत को लेकर स्पष्ट है और नौसेना के लिए राफेल-रूकी डील के लिए बेस प्राइज वहीं रखना चाहता है, जो 2016 में वायु सेना के लिए 36 विमानों के पिछले सौदे का उपयोग करना चाहता है। इस डील की कीमत में इन्फ्लेशन कॉस्ट (मुद्रास्फीति) शामिल होगी, जिस पर पिछले सौदे में दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी थी।फ्रांसीसी ऑफर में फाइटर जेट पर भारतीय हथियारों को असेंबल करने के लिए पैकेज शामिल हैं। इन हथियारों में अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेट करने के लिए जेट में इंडियन स्पेसिफिक इन्हैंस्ड लैंडिंग इक्विपमेंट्स और जरूरी इक्विपमेंट्स शामिल किए हैं।

मुंबई में बारिश से डूबे ट्रैक, ट्रेनों पर लगा ब्रेक,अब हाईटाइड का भी खतरा

मुंबई। देशभर में इन दिनों हो रही बारिश जहां एक तरफ गर्मी से राहत दे रही है तो वहीं दूसरी ओर भारी बारिश के कारण लोगों को जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है.. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में देर रात से ही भारी बारिश हो रही है, जिससे जनता के जीवन और यातायात पर असर पड़ा है। भारी बारिश की वजह से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिल रही है। यही नहीं बारिश की वजह से मुंबई के कई मुख्य रेलवे स्टेशनों पर भी पानी जमा हो गया है, जिसके कारण कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया।

विभिन्न स्थानों पर छह घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई. इस भारी बारिश के कारण कुछ निचले इलाकों में जलभराव हो गया और उपनगरीय ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं. आज भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है. छात्रों की असुविधा को ध्यान में रखते हुए, मुंबई के सभी नगर निगम, सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों में पहले सत्र के लिए अवकाश घोषित किया गया है. अगले सत्र के लिए निर्णय स्थिति की समीक्षा के बाद लिया जाएगा। डीआरएम मुंबई सीआर ने अलर्ट जारी करते हुए बताया कि उपनगरीय और मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में भारी बारिश के कारण जलभराव से ट्रेन यातायात में देरी हो रही है. प्रभावित स्टेशन हैं सीएसएमटी, सायन, कुर्ला, विक्रोली और भांडुप. भारी बारिश के बाद हुए जलभराव के कारण सेंट्रल लाइन पर ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं.

50 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द

भारी बारिश के कारण कम विजिबिलिटी से मुंबई के अंदर और बाहर 50 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं. शहर में लगातार बारिश के कारण रनवे एक घंटे से ज्यादा समय तक प्रभावित रहा। सोमवार को भारी बारिश और कम विजिबिलिटी के कारण मुंबई एयरपोर्ट पर फ्लाइट संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ. कई फ्लाइट्स डायवर्ट या रद्द की गईं

जय शाह के आईसीसी चैयरमैन बनने का रास्ता साफ, पर अभी कुछ अड़चनें!

मुम्बई। आईसीसी चेयरमैन पद के लिए चुनाव इसी साल नवंबर में होने वाले हैं। अगला चैयरमैन कौन होगा, ये स्पष्ट नहीं है। जय शाह साल 2019 से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव बने हुए हैं। अटकलें हैं कि जय शाह आईसीसी चेयरमैन पद के लिए कोशिश में हैं। पर, अभी कुछ अडचनें बरकरार है जो उन्हें आईसीसी का चैयरमैन बनने से रोक सकती है। वे उम्मीदवार बनते हैं, तो उन्हें निर्विरोध नया चेयरमैन चुना जा सकता है। मगर, जय शाह ने अभी इस बारे में कोई स्पष्ट फैसला नहीं लिया। अभी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन पद पर न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले विराजमान हैं और दूसरे कार्यकाल के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

आईसीसी जुलाई महीने में कोलंबो में एक मीटिंग करने वाली है, जिसमें चेयरमैन पद के चुनाव के लिए तारीख का एलान किया

जा सकता है। जय शाह ने इस विषय पर अभी चुप्पी नहीं तोड़ी है। लेकिन, खबर है कि वो आईसीसी के काम करने के कुछ तरीकों से खुश नहीं हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 को वेस्टइंडीज और यूएसए में करवाने को लेकर भी शाह खुश नहीं थे। यदि शाह चेयरमैन पद के लिए आवेदन करते हैं और चुनाव जीत जाते हैं तो वो सबसे युवा आईसीसी चेयरमैन बन जाएंगे।

जानकारी के अनुसार आईसीसी चेयरमैन के कार्यकाल में बदलाव किया गया है। पहले कोई एक व्यक्ति तीन बार चेयरमैन बन सकता था और उसका प्रत्येक कार्यकाल 2 साल का होता था। मगर नए नियमों के हिसाब से कोई एक व्यक्ति 2 बार चेयरमैन बन सकता है और उसका प्रत्येक कार्यकाल 3 साल का होगा। यदि जय शाह चेयरमैन बनते हैं, तो वे 3 साल तक इस पद पर बने रहेंगे और ऐसा करने के बाद उन्हें 2028 में आईसीसी का अध्यक्ष बनने की पात्रता मिल जाएगी। जय शाह ने क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेशन में साल 2009 में एंट्री ली थी। उससे पहले वे गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव पद पर विराजमान थे। उन्होंने साल 2015 में बीसीसीआई को ज्वाइन किया और सितंबर 2019 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव बने थे।

सुदर्शन चक्र कोर ने सैन्य स्टेशन पर वनरोपण अभियान चलाया

संत हिरदाराम नगर। सुदर्शन चक्र कोर ने भोपाल सैन्य स्टेशन पर वनरोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल प्रीतपाल सिंह, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, नंदिता सिंह, जोनल अध्यक्ष, आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन, भोपाल मिलिट्री स्टेशन के अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी और अन्य रैंक के अधिकारी उपस्थित थे। सैन्य अफसरों ने कहा कि पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में वनीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ये प्रयास न केवल वनों की कटाई के प्रभाव को कम करते हैं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण हरित स्थान भी बनाते हैं। यह विभिन्न प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करके जैव विविधता को बहाल करने में मदद करता है, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके और ऑक्सीजन जारी करके वायु की गुणवत्ता में सुधार करता है और जड़ों के साथ मिट्टी को स्थिर करके मिट्टी के कटाव को भी रोकता है। अंततः, हमारे ग्रह के स्थायी भविष्य के लिए वनीकरण के माध्यम से पर्यावरणीय प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है। वृक्षारोपण के बारे में जागरूकता फैलाने के सेना के प्रयास की स्थानीय जनता द्वारा काफी सराहना की जा रही है।

महापौर ने महाबली नगर बाल उद्यान में किया पौधरोपण

भोपाल। महापौरमालती राय ने एक पौधा मां के नाम वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत वार्ड 80 के अंतर्गत महाबली नगर बाल उद्यान में पौधरोपण किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर चलाये जा रहे एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण का क्रम वृहद पैमाने पर किया जा रहा है। इसी तारतम्य में महापौर श्रीमती राय ने महाबली नगर स्थित बाल उद्यान में स्थानीय पार्षद सुनीता भदौरिया सहित अन्य नागरिकों के साथ पौधरोपण किया। महापौर ने पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा अपने शहर भोपाल को स्वच्छता में देश में प्रथम शहर बनाने हेतु स्वच्छता की गतिविधियों में सक्रिय तौर पर सहभागिता दर्ज कराने का

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने नव प्रवेशित छात्राओं के लिए एक व्यापक तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने नए छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया और छात्रों के जीवन में अनुशासन और प्रतिबद्धता के महत्वपूर्ण गुणों पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि मजबूत संचार कौशल, सकारात्मक दृष्टिकोण और करियर प्लेसमेंट पर ध्यान केंद्रित करना दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अभिमुखीकरण के दौरान, छात्राओं को कॉलेज के विभिन्न विभागों और संकायों के बारे में जानने का अवसर मिला। विभिन्न समितियों और प्रकोष्ठ के प्रभारी और समन्वयकों ने उनकी भूमिकाओं और कार्यों की विस्तृत व्याख्या दी। कॉलेज प्रबंधन ने संकाय सदस्यों की प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की सराहना की, और छात्राओं की सफलता के प्रति उनकी जवाबदेही को मान्यता दी। प्रबंधन ने संकाय और छात्राओं को एक फलदायी और उत्पादक शैक्षणिक वर्ष के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

नवनिध स्कूल में प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह आयोजित, 142 छात्राएं सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की सत्र 2023-24 की कक्षा पहली से नवीं, ग्यारहवीं एवं सी.बी.एस.ई बोर्ड की दसवीं व बारहवीं परीक्षाओं में उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन करने वाली 142 छात्राओं को सम्मानित करने हेतु प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह का आयोजन संत हिरदाराम सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में सम्मानित की जाने वाली छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सहर्ष आमंत्रित किया गया था। सोसाइटी द्वारा मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र, स्कूल बैग व लंच बॉक्स देकर पुरस्कृत किया तथा उनके अभिभावकों को सरोपा, श्रीफल व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कालापीपल तहसीलदार किरण धाकड़ एवं जे.पी. अस्पताल भोपाल डॉ. आफरीन आलम, हमीदिया अस्पताल के चिकित्सक डॉ. बेनजीर आलम, शहीद हेमु कालानी एजुकेशनल सोसायटी के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव घनश्याम बूलचंदानी, सह सचिव के.एल रामनानी, अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। किरण धाकड़ ने अपने प्रेरक संबोधन में अभिभावकों से आग्रह किया वे अपनी बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें क्योंकि बौद्धिक उत्कृष्टता के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता उन्हें भविष्य में स्वतंत्र निर्णय लेने में सहायक होगी। इस अवसर पर विद्यालय के नृत्य एवं संगीत विभाग के दिशा निर्देश में लगभग 135 छात्राओं ने समूह गान, नृत्य एवं आर्केस्ट्रा की सुर ताल से सजी शानदार प्रस्तुतियाँ दी।

संत हिरदाराम पत्रकार संघ के चुनाव 17 जुलाई को, बसंत चेलानी बने चुनाव प्रभारी

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम पत्रकार संघ के द्विवार्षिक चुनाव 17 जुलाई को होंगे। इसको लेकर चुनाव प्रभारी संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी को नियुक्त किया गया है। इसमें संघ के तीन पद अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष पर चुनाव सम्पन्न होंगे।

चुनाव प्रभारी बसंत चेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 और 11 जुलाई को फार्म सुबह 11 से 12 बजे तक संस्कार स्कूल से प्राप्त कर सकते हैं। वहीं 12 और 13 जुलाई को सुबह 11 से 12 बजे तक संस्कार स्कूल में फार्म जमा किए जायेंगे। 17 जुलाई को सुबह 11 बजे सभी सदस्यों के साथ बैठक होगी यदि सर्वसम्मति से नाम आता है तो घोषणा कर दी जाएगी यदि सर्वसम्मति नहीं बनती है तो उसी दिन तीन पदों पर मतदान करवाया जाएगा। इसी दिन अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के विजयी होने वालों के नाम की घोषणा की जाएगी। इसमें अध्यक्ष पद के लिए फार्म की फीस एक हजार और अन्य पदों के लिए पांच सौ रूपए रखी गई है। उल्लेखनीय है कि संत हिरदाराम पत्रकार संघ के वर्तमान पदाधिकारियों का कार्यकाल अगस्त में समाप्त हो रहा है। इसको लेकर अगस्त के पहले सप्ताह तक नई कार्यकारिणी का गठन होना है इसमें नवनियुक्त अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष मिलकर अन्य पदाधिकारियों को गठित कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि संत हिरदाराम पत्रकार संघ में 29 सदस्यों की सूची तैयार कर ली गई है जो अपने मतदान का उपयोग कर सकेंगे। इन्हीं में से अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष के लिए फार्म भर सकेंगे।

अखिल भारतीय सिंधी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारणी की हुई घोषणा

शिक्षाविद् आनंद सबधाणी बने राष्ट्रीय महासचिव

संत हिरदाराम नगर। भारत देश में सिंधी समाज की सबसे सक्रिय संख्या अखिल भारतीय सिंधी समाज (रजि.) नई दिल्ली के गोवा में संपन्न राष्ट्रीय सम्मेलन की साधारण सभा में त्रिलोक दीपानी को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था, इसी तारतम्य में अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की गई जिसमें भोपाल के जाने माने शिक्षाविद् आनंद सबधाणी को राष्ट्रीय महासचिव घोषित किया गया। साथ ही नील कुमार बचानी को कोषाध्यक्ष एवं राधा राजपाल को अखिल भारतीय महिला सिंधी समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद दिया गया। ज्ञात है कि संस्था विगत 60 वर्षों से निरंतर समाज सेवा के उल्लेखनीय कार्य करती आ रही है, सिंधी समाज की यह ऐसी संस्था है जो की नई दिल्ली में रजिस्टर्ड है उक्त संस्था के नाम अखिल भारतीय सिंधी समाज नई दिल्ली का नाम भी कॉपी राइट कानून के अंतर्गत रजिस्टर्ड है जिससे उक्त संस्था के मिले झुले नाम का कोई अन्य उपयोग नहीं कर सकता। वह संख्या या सिंधी समाज को एकता एवं शासन से हक दिलवाने का हमेशा प्रयास करती रहती है एवं कई सामाजिक हित के उल्लेख में कार्य किए हैं।

सुनील यादव को एम्स अस्पताल का सांसद प्रतिनिधि बनाया

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी भोपाल जिले के पूर्व कार्यालय मंत्री सुनील यादव को एम्स अस्पताल भोपाल का सांसद प्रतिनिधि बनाया गया है। सांसद आलोक शर्मा ने इन्हें नियुक्ति पत्र देकर इसकी जिम्मेदार सौंपी। इसके लिए यादव ने सांसद आलोक शर्मा का आभार व्यक्त किया। सुनील यादव के सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ता सहित क्षेत्रीय लोगों ने खुशी जाहिर की है।

यूजीसी ने किया नई सूची जारी, एमसीयू का नाम हटाया, कुलपति प्रो. सुरेश की आपत्ति के बाद उठाया कदम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने लोकपाल की नियुक्ति न करने पर देश के डिफाल्टर विश्वविद्यालयो की सूची से माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का नाम हटा लिया है। उल्लेखनीय की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने लोकपाल की नियुक्ति न करने पर एमसीयू का नाम डिफॉल्टर विश्वविद्यालय की सूची में शामिल कर लिया था। जबकि एमसीयू के कुलगुरु प्रो.(डॉ.)के.जी. सुरेश के प्रयासों से विश्वविद्यालय द्वारा 7 जून को ही पूर्व सेवानिवृत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ओमप्रकाश सुनरया की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए थे। विदित होवे कि एमसीयू के कुलगुरु प्रो.(डॉ.)के.जी. सुरेश ने इस विषय में गहरी आपत्ति दर्ज कराते हुए यूजीसी को पत्र लिखा था। जिसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कदम उठाते हुए 2 जुलाई को नई अपडेटेड सूची जारी कि जिसमें एमसीयू का नाम डिफॉल्टर विश्वविद्यालय की सूची से हटा दिया है । इस बारे में प्रो. सुरेश ने यूजीसी को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने आभार प्रकट करते हुए कहा कि संवादहीनता की वजह से कुछ गलतफहमी हो गई थी, जिसे यूजीसी ने सुधार लिया है। प्रो. सुरेश ने कहा कि लोकपाल की नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया के बीच लोकसभा चुनाव के कारण आचार संहिता लग गई थी।

इसके हटने के तत्काल बाद 7 जून को लोकपाल की नियुक्ति के आदेश एमसीयू प्रशासन द्वारा जारी कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूजीसी के सभी नियमों का सुचारु रुप से पालन करता है एवं शीघ्रता के साथ लागू भी करता है। कुलगुरु प्रो. सुरेश ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भी एमसीयू द्वारा तीन साल पहले ही लागू किया जा चुका है। जबकि कई विश्वविद्यालयों में अभी तक इसे लागू नहीं किया गया है। लेकिन एमसीयू हर विषय में गंभीरता दिखाते हुए बहुत शीघ्रता के साथ निर्णय लेता है।

किरार समाज के जिला अध्यक्ष चौहान के जन्मदिन पर किया पौधारोपण

भोपाल। किरार समाज के जिला अध्यक्ष संजय सिंह चौहान का जन्मदिन के अवसर पर अरेरा कॉलोनी स्थित नर्सरी पार्क में सुबह वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर कार समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान महामंत्री तुलसीराम पटेल गुजराती समाज के भूपेंद्र पटेल जैन समाज के नितिन, मनोज, राजीव जैन ब्राह्मण समाज से मोहन चतुर्वेदी, अशोक गहनी केशव, संजीव दुबे आलोक दुबे, मालती चतुर्वेदी जी मंजू एवं अन्य साथी उपस्थित थे।

श्रम विभाग के आदेशों की अवहेलना पर निगमों को फेडरेशन का अवमानना नोटिस

भोपाल। सेमी गवर्नमेंट एम्प्लाइज फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई और वरिष्ठ कर्मचारी नेता अरुण वर्मा ने बताया कि निगम मंडलों और सहकारी संस्थाओं में कार्यरत ठेका श्रमिकों और आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में श्रम विभाग के आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर वेयर हाऊसिंग कॉर्पोरेशन, आपूर्ति निगम, ऊर्जा निगम, पर्यटन निगम, दुग्ध संघ और उपभोक्ता संघ को अवमानना नोटिस भेजा गया है। प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन द्वारा 7 अगस्त 2023 को और उप सचिव मध्यप्रदेश शासन द्वारा 14 अगस्त 2023 को जारी पत्रों और सहायक श्रमायुक्त भोपाल संभाग द्वारा जारी आदेशों में निगम मंडलों और सहकारी संस्थाओं में कार्यरत ठेका श्रमिकों और आउटसोर्स कर्मचारियों को श्रम अधिनियमों के तहत लाभ देने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, इन आदेशों का पालन नहीं किया गया है। अनिल बाजपेई और अरुण वर्मा ने निगम मंडलों और सहकारी संस्थाओं के प्रबंध संचालकों से अनुरोध किया है कि ठेका श्रमिकों और आउटसोर्स कर्मचारियों को श्रम अधिनियमों के तहत वेतन, भत्ता, बोनस और ग्रेच्युटी का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि आदेशों का पालन नहीं किया गया, तो हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। फेडरेशन द्वारा इस कदम से निगमों पर दबाव बढ़ गया है और यह ठेका श्रमिकों और आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय साबित हो सकता है।

विष्णु सहस्त्रनाम मंडल का पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। विष्णु सहस्त्रनाम मंडल के तत्वावधान में रविवार को कोलार रोड स्थित श्यामाप्रसाद मुखर्जी उद्यान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने पवित्र पीपल का पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत यहां 80 पौधे लगाये गये। इनमें आम, पीपल, करंजी, बेहड़ा, आवंला आदि के पौधे प्रमुख थे। इस अवसर पर पर्यावरण वानिकी मंडल के वनसंरक्षक आलोक पाठक ने सभी से अंकुर नामक एप से जुडने का आग्रह किया। इस अवसर पर डॉ. रमेश शांडिल्य, विनोद पाराशर,अरविंद गार्गव, प्रमोद शुक्ला, उमाकांत पाराशर, अमित बरसले आदि उपस्थित रहे।

बरकतुल्लाह भोपाली के जयंती पर हुए कार्यक्रम

भोपाल। भारत की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भोपाल के नामवर सपूत प्रोफेसर मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली की जयंती 7 जुलाई को मनाया जाता है इसी अवसर पर बरकतुल्लाह भोपाली को श्रद्धांजलि देने के लिए एक सभा का आयोजन मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली एजुकेशन एंड सोशल सर्विस सोसायटी के तत्वावधान में बरकतुल्लाह पब्लिक स्कूल गांधी नगर भोपाल में किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक एवं जमीअत उलमा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून ने कहां की बरकतुल्लाह भोपाली एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिन्होंने अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध भारत के बाहर अंतरिम सरकार का गठन करके ब्रिटिश हुकूमत को खुली चुनौती दी थी उस वक्त उनका ये एक बड़ा कारनामा था उन्होंने देश की आजादी के लिए गदर पार्टी का गठन भी किया जिससे कि भारत को स्वतंत्रता दिलवाई जा सके।

निजी बसों में स्टाफ की गुंडागर्दी, यात्रियों से अभद्र व्यवहार की इंतहा

भोपाल। मध्यप्रदेश में परिवहन निगम बंद होने से यात्रियों की जितनी फजीहत हो सकती है, उतनी हो रही है। अधिकांश निजी बसों में कर्मचारियों के नाम पर गुंडे-बदमाशों को रखा जाता है, जो यात्रियों से दादागिरी से बात करते हैं। भोपाल के कुछ ट्रैवल्स संचालकों के नाम पर तो इंदौर तक दादागिरी झाड़ी जाती है।

एक ताजा मामला 8 जुलाई को सामने आया। शुरुआत होती है हलालपुर बस स्टैंड से। यहां एक बस भोपाल से इंदौर जाने के लिए भरी जा रही थी। पीछे एक बस और थी, वो भोपाल उज्जैन की आवाज लगा रहे थे। अचानक तेज बारिश होने लगी। आगे वाली बस वाले ने अचानक भरी हुई बस खाली कराना शुरू कर दी। सारे यात्रियों को पीछे वाली बस में भेज दिया गया। इस बस के आगे चौहान लिखा हुआ है। इसका नंबर एमपी 41 जेड ई 9666 था।

बारिश तेज हो गई। इंदौर जाने वाली कोई दूसरी बस नहीं आई। और चौहान वाली बस के कर्मचारियों ने इंदौर के साथ ही उज्जैन वाली सवारियों को भी भर लिया। उससे पूछने पर बताता रहा कि इंदौर वालों को इंदौर ही पहुंचाया जाएगा। लेकिन उसका व्यवहार ठीक नहीं था। रास्ते में कई सवारियों से हुज्जत होती रही। देवास में अचानक बस कंडक्टर ने इंदौर के यात्रियों को उतरने का आदेश दिया। उन्हें दूसरी बस में बारिश के बीच चढ़ाया गया। इसमें किसी भी यात्री को सीट तक नहीं मिली। कई महिलाएं भी थीं। कुछ के टिकट तो पहले वाली बस के कंडक्टर ने ही रख लिए। जिसके कारण दूसरी बस में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश के चलते इस दूसरी बस का नंबर भी नहीं देख सके। फिर बस कंडक्टर और उसके सहायक की गुंडागर्दी का दौर शुरू हुआ। सारे यात्रियों को भेड़ बकरियों की तरह भरा गया। चालक यात्रियों को आगे की सीट पर भी नहीं बैठने दे रहा था। कुछ यात्रियों से तो गाली-गलौच तक की गई। ये कर्मचारी भोपाल ट्रेवल्स के नाम की धमकियां भी दे रहे थे। बता रहे थे कि उन्हीं की बस है और हमारे लोग देवास-इंदौर सभी स्टैंड पर हैं। हम किसी को भी कहीं भी मार सकते हैं। यह बस चार बजे के आसपास देवास से इंदौर के लिए जाती है। इस बस में दूसरी बस वाले ही नहीं इसमें बैठे यात्रियों से भी बदतमीजी की गई। बस को तीन इमली स्टैंड पर जाने की बात कही गई। एक माल पर कई सवारियां उतारने के बाद आगे चौराहे पर जब थोड़ा जाम लगा, कर्मचारियों ने पिपलियाना, बंगाली चौराहे से लेकर कई जगह उतरने वालों को जबरन वहीं पर उतार दिया। यहां गाड़ियों की संख्या काफी थी और बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी। यात्री उतरे और मजबूरी में उन्हें आटो करके जाना पड़ा।

संकुल स्तर पर स्व सहायता समूह द्वारा किया जाएगा नर्सरी निर्माण कार्य, मंत्री पटेल ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

भोपाल। ग्राम पंचायतों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में विभाग को अभी कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है वित्तीय प्रबंधन। भुगतान प्रणाली को सुचारू एवं पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन पोर्टल जल्द से जल्द तैयार कराया जाए। इससे हम विभाग को उपलब्ध राशि, देनदारी की गणना तथा लक्षित लाभार्थियों तक उचित लाभ पहुँच पाए, इसका पारदर्शी संधारण कर सकेंगे। उक्त निर्देश पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मलय श्रीवास्तव, संचालक पंचायत राज संचालनालय श्री मनोज पुष्प, मनरेगा आयुक्त श्री कृष्ण चैतन्य, मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन श्रीमती तनवी सुंद्रियाल, संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना श्री केदार सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि राज्य शासन ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पंचायती राज सिस्टम के सुचारु संचालन के लिये दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक मानक कैलेंडर तैयार किया जाए। स्थानीय विशेषताओं एवं छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का निर्धारण किया जाना चाहिए। प्रशिक्षण की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के तहत नियुक्त पदाधिकारियों की पोस्टिंग परफॉर्मेंस के आधार पर की जाए। मंत्री पटेल ने स्व-सहायता समूह और मनरेगा योजना के अभी सरण के तहत संकुल स्तर पर नर्सरी निर्माण कार्य कराये जाने के भी निर्देश दिये। बैठक में शहरी क्षेत्रों से लगी पंचायतों में मध्यान्ह भोजन बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सके इस पर भी चर्चा की गई साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों का सर्वाइवल रेट सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

खाद्य मंत्री राजपूत ने मां की पुण्यतिथि पर वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को किया सम्मानित

भोपाल । प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपनी माता स्व. श्रीमती ज्ञानबाई सिंह राजपूत की पुण्य तिथि पर रविवार को राजधानी के आसरा वृद्धाश्रम में 85 बुजुर्गों को शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी वृद्धजनों का हाल-चाल जाना तथा उनकी समस्याओं को सुना। बेटे के समान स्नेह कर रहे मंत्री को अपने बीच पाकर बुजुर्गों ने भी श्री राजपूत को ढेर सारा आशीर्वाद दिया और लाड प्यार किया। इस दौरान बुजुर्गों ने आयुष्मान कार्ड बनने में दिक्कत की बात बताई। मंत्री श्री राजपूत ने अधिकारियों को तत्काल सरलता से आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर वह उन्हें बता सकते हैं या किसी के माध्यम से संदेश भेज सकते हैं। इससे आपकी समस्या का निराकरण किया जा सकेगा।

मां के नाम रोपित किया पौधा: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत खाद्य मंत्री राजपूत ने अपनी माता जी स्व. श्रीमती ज्ञानबाई सिंह राजपूत की पुण्य-तिथि पर आसरा वृद्धाश्रम में एक पौधा भी रोपित किया। इस दौरान अधिकारी एवं अन्य जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

एम्स में सागर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने की शैक्षिक यात्रा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स उभरते छात्रों के लिए आउटरीच गतिविधियों को आयोजित करता रहा है। इसी क्रम में सागर पब्लिक स्कूल के कक्षा 10 वीं और 11 वीं के छात्रों की शैक्षिक यात्रा शनिवार 06.07.2024 को आयोजित की गई। डॉ. अश्वनी टंडन, एसोसिएट डीन (अकादमिक) द्वारा जानकारी दी गई की यह छात्रों के लिए एक असाधारण अनुभव था, विशेष रूप से जीव विज्ञान के एक छात्र के रूप में, जिसने मानव शरीर विज्ञान की अवधारणाओं को अधिक गहराई से समझने का अवसर मिला। छात्रों की यात्रा एनाटॉमी संग्रहालय से शुरू हुई। इसमे उन्होंने सावधानीपूर्वक संरक्षित विभिन्न मानव अंगों का अवलोकन किया। उन्होंने ट्रांसलेशनल मेडिसिन की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और उन परिष्कृत उपकरणों का अवलोकन किया जिनका उपयोग डॉक्टर विभिन्न रोगों के निदान के लिए प्रयोग करते हैं। रक्त से डीएनए निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी, होमोजेनाइज़र, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस उपकरण, यूवी ट्रांसिल्यूमिनेटर और पीसीआर मशीन (पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन मशीन) सहित कई मशीनों का संचालन देखा। पीसीआर में शामिल जटिल चरण को व्यापक रूप से समझाया गया। इसके बाद, छात्रों को एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह से मिलने और उनके साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में शामिल होने का सौभाग्य मिला। इस बातचीत के माध्यम से,विज्ञान के दायरे में आने वाले अन्य क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।

साइटिस प्राणी प्रजातियों के अवैध व्यापार में फरार आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज

भोपाल। स्टेट टाइगर फोर्स मध्यप्रदेश भोपाल एवं क्षेत्रीय इकाई इंदौर द्वारा 25 मई, 2024 को प्रकरण में कार्रवाई करते हुए वन्य-प्राणी अपराध में संलग्न गिरोह के कार्तिक निवासी दिल्ली को 8 जून, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की निशानदेही पर प्रदेश के बाहर बुलंदशहर (उ.प्र.) में कार्रवाई करते हुए 9 जून, 2024 को भारी मात्रा में अनुसूची-द्वद्ध में सूचीबद्ध, दुर्लभ जीवित प्राणी प्रजातियों के 40 से ज्यादा प्राणी प्रजातियां (विदेशी वन्य-प्राणी) जप्त किये गये। प्रकरण में फरार आरोपी उत्कर्ष अग्रवाल की अग्रिम जमानत याचिका अतिरिक्त विशेष सत्र न्यायालय इंदौर ने विस्तृत सुनवाई के बाद प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए खारिज कर दी है।

रोटरी क्लब का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स का अधिष्ठापन समारोह होटल विज्ञाश्री में संपन्न हुआ। रोटरी का नवीन सत्र 2024-25 1 जुलाई 2024 से प्रारंभ होता है। रोटे ब्रह्मस्वरूप अग्रवाल नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं रोटे हर्ष मित्तल, सचिव के नेतृत्व में नवीन कार्यकारिणी टीम ने होटल विज्ञाश्री में शपथ ग्रहण उपरांत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर रोटे अनिश मलिक,मंडलाध्यक्ष 3040 , मुख्य अतिथि की उपस्थिति में रोटे रीतू ग्रोवर, निवर्तमान मंडलाध्यक्ष, रोटे सुशील मल्होत्रा, मंडलाध्यक्ष चयनित, विशेष अतिथि, रोटे संस्कार कोठारी, मंडलाध्यक्ष मनोनीत, विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

पुर्व मंडलाध्यक्ष रोटे धीरण दत्ता, पुर्व मंडलाध्यक्ष रोटे जिनेन्द्र कुमार जैन,पुर्व मंडलाध्यक्ष रोटे कर्नल महेन्द्र मिश्रा, पुर्व मंडलाध्यक्ष रोटे संजीव गुप्ता की उपस्थिति गरिमामय रही। रोटे कुणाल सिंघल अध्यक्ष 23-24 ने गत रोटरी वर्ष की गई रोटरी गतिविधियों और उपलब्धियों का बखान किया। रोटे ब्रह्मस्वरूप अग्रवाल नव निर्वाचित अध्यक्ष 24 -25 ने अपने संबोधन में रोटरी वर्ष के लिये अपना विजन और मिशन शेयर किया। रोटे रीतू ग्रोवर, निवर्तमान मंडलाध्यक्ष अधिष्ठापन अधिकारी एवं शपथ ग्रहण अधिकारी ने नवगठीत टीम को रोटरी संकल्प के साथ शपथ दिलाई। रोटे अनिश मलिक,मंडलाध्यक्ष 3040 एवं मुख्य अतिथि महोदय ने रोटरी की महत्वपूर्ण जानकारी शेयर की। उन्होंने कहा कि मैजिक ऑफ रोटरी थीम पर जोश टीम के सदस्य के रूप में एक साथ मिलकर मानवता की सेवा के प्रति उत्साह, समर्पण और सेवा भावना से आगे बढ़ना होगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान

ग्राम खारखेड़ी में उद्यानिकी अधिकारियों ने किया पौधारोपण

भोपाल। प्रदेश में चलाए जा रहे पौध-रोपण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम के तहत प्रमुख सचिव उद्यानिकी सुखवीर सिंह और संचालक एस.बी. सिंह के नेतृत्व में उद्यानिकी अमले ने विकासखण्ड फन्दा के ग्राम खारखेड़ी में पौध-रोपण किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौध-रोपण कर वनीकरण को बढ़ावा देने के लिए 5 करोड़ पौधे लगाने का अभियान आरंभ किया गया है। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान का समर्थन करते हुये प्रदेश-वासियों को पौध-रोपण करने के लिए आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि जब हम एक पेड़ माँ के नाम से रोपेगें तो हमारा विशेष रूप से भावनात्मक जुड़ाव होने से उस पौधे की देखभाल, सिंचाई एवं सुरक्षा के प्रति सतर्कता रखेंगें। परिणामत: पौध-रोपण अभियान की सफलता अधिकाधिक होगी। पौध-रोपण अंतर्गत हम फल प्रजातियों का चयन करते हैं, तो इससे दोहरा लाभ होगा। हरियाली, पर्यावरण संतुलन, मृदा-नमी का संरक्षण, जैव-विविधता जैसे वानिकी लाभ के साथ ही फल उत्पादन से रोजगार एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। फलों की उपलब्धता बढ़?ने के साथ संतु?लित पोषण से स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता की दृष्टि से समाज को बहुआयामी लाभ प्राप्त होगा। उद्यानिकी विभाग सभी नर्सरी में पौध-रोपण का विशेष अभियान चलाकर ग्रामीणजन को प्रेरित करेगा।

कोहेफिजा पुलिस ने सराफा व्यापारी पर हुए जानलेवा हमले का किया खुलासा

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने सराफा व्यापारी जितेन्द्र वलेछा पर हुए जानलेवा हमले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी समीर खान, सुनील सोनी और उजैर खान उर्फ हबीब को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने घटना को लूट का स्वरूप देने का प्रयास किया था ताकि पुलिस को चकमा दिया जा सके और शहर के बदमाशों में अपना वर्चस्व जमाया जा सके। सराफा व्यापारी जितेन्द्र वलेछा, जो बैरागढ़, भोपाल के निवासी हैं, रात 10 बजे अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इस दौरान ईसाई कब्रिस्तान के पास दो मोटरसाइकिल सवार अज्ञात आरोपियों ने धारदार हथियारों से उन पर जानलेवा हमला किया, जिससे उनकी गर्दन और हाथ पर गंभीर चोटें आईं।

ऊर्जा मंत्री, एमडी और कलेक्टर ने की युवाओं की सूझबूझ की तारीफ

जान की बाजी लगाकर बचाई जान...

भोपाल।पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तहत सोनकच्छ कस्बे में रेशम केंद्र की बारबेड फैंसिंग में फैले लीकेज करंट से सोनकच्छ निवासी श्री सत्यम पिता श्री अशोक को भयानक करंट लगा और वे चिपक गए। इसी दौरान मौके से गुजर रहे युवा श्री फरहान पठान और श्री केतन राठौर ने सूझबूझ और साहस का परिचय दिया और स्वयं को करंट से बचाते हुए आईसोलेट तरीके से सत्यम को कुछ सेकंड में ही फैंसिंग में फैले करंट से दूर कर दिया। इसके बाद प्राथमिक उपचार कर उसकी जान बचाई। इस तरह दो युवाओं द्वारा जोखिम उठाकर तत्परता से की गई मेहनत से तीसरे युवा की जान बच गई। साहसी युवा फरहान और केतन की ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री अमित तोमर, देवास के कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने तारीफ की है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सोमवार को टी.एल. बैठक के दौरान दोनों ही साहसी युवाओं श्री फरहान पठान और श्री केतन राठौर को कलेक्टर कार्यालय ससम्मान बुलाया और सम्मानित किया।

विद्युत वितरण कंपनी के देवास अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि यदि कुछ सेकंड दोनों ही युवा तत्परता नहीं दिखाते और सत्यम को करंट से अलग नहीं करते तो उसकी जान जा सकती थी। डॉ. शर्मा ने बताया कि मौके पर पंद्रह लोग एकत्र थे, लेकिन मात्र दो युवा फरिश्ते के रूप में फैले करंट के बीच पहुंचे और पांच सेकंड में पीड़ित को अलग कर उसकी जान बचाई।

एम्स भोपाल में सिर से निकले ब्रेन ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला

भोपाल। एम्स भोपाल के न्यूरोसर्जरी विभाग में अशोक नगर निवासी 13 वर्षीय बालिका के घातक ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यह सर्जरी 4 जुलाई 2024 को एम्स भोपाल में की गई थी। ट्यूमर सिर से बाहर निकल रहा था और फुटबॉल के आकार का था। 13 वर्षीय बालिका आपात स्थिति में आई थी और वेंटिलेटर पर थी। मस्तिष्क की एमआरआई से पता चला कि मस्तिष्क में एक बड़ा ट्यूमर था और यह सिर को नष्ट कर बाहर आ गया था। प्रो. अमित अग्रवाल, डॉ. आदेश श्रीवास्तव, डॉ. सुमित राज और डॉ. प्रदीप चौकसे द्वारा एक अंतर-विभागीय बैठक की गई और बच्चे को बचाने के लिए आपातकालीन सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। इस केस का ऑपरेशन 4 जुलाई 2024 को एम्स भोपाल के न्यूरोसर्जरी ओटी में किया गया लेकिन कुछ महीनों में यह फिर से एक विकराल आकार में बढ़ गया। इस मामले में डॉ. जितेंद्र और डॉ. अभिषेक की सहायता से सर्जरी डॉ. सुमित राज ने की। इस मामले को संचालित करने में लगभग 8 घंटे लगे। ट्यूमर अत्यधिक संवहनी था, और स्कल (खोपड़ी) भी प्रभावित थी, जिसे हटा दिया गया। सिर के दोष को टाइटेनियम प्लेट से ढक दिया गया था। डॉ. गौरव चतुर्वेदी और विकास की प्लास्टिक सर्जरी टीम की मदद से त्वचा को बंद किया गया। इस प्रक्रिया को अंजाम देने में एनेस्थीसिया टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे डॉ. आशुतोष और मिलिंद ने अंजाम दिया। अगले ही दिन मरीज होश में आ गया और ऑपरेशन के बाद की अवधि में उसकी हालत ठीक है। ऐसे मामलों को केवल विशेष केंद्रों में ही संभाला जाता है। दुनिया में आज तक कैल्वेरियम के प्राथमिक घातक गोल कोशिका ट्यूमर के कुछ ही मामले सामने आए हैं।

पुलिस बल सादी वर्दी में रहे, सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था करें: कृष्णा गौर

श्रावण मास में पर्व के अवसर पर गुफा मंदिर में होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं को लेकर राज्य मंत्री ने अधिकारियों को दिये निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्रावण मास में पर्व के अवसर पर गुफा मंदिर में होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओ को लेकर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने अधिकारियों को कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के संबंध में जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने गुफा मंदिर महंत श्री रामप्रवेश दास जी से पर्व पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा करने के लिये अधिकारियों से कहा। श्रावण मास में सोमवार के दिन लगने वाले मेले में सुरक्षा के पर्याप्त इंतेजाम करने के लिये भी कहा। असामाजिक तत्वों पर सतत् निगरानी रखने के लिये मेले के अवसर पर पुलिस बल को सादी वर्दी में भी तैनात करें।

श्रावण मास में पर्व के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में पेयजल, विद्युत और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि सभी कार्य पर्व शुरू होने के पूर्व 20 जुलाई तक करना सुनिश्चित करें। पेयजल व्यवस्था के संबंध में कहा गया कि ओवरहेड टेंकों की सफाई और नल एवं पाइप लाइनों की रिपेयरिंग आदि कार्यों को समय पर करना सुनिश्चित करें। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि लालघाटी चौराहे से गुफा मंदिरों तक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहां पर केबल लाइन की जरूरत है, वहां केबल लाइन डलवाएं। प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। मंदिर परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कहा कि मंदिर परिसर में गौ-शाला के गो-डाउन से लगे नाले की दीवार का पुनर्निमाण जल्दी करवाएं। पार्किंग व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। मंदिर परिसर में पुलिस कंट्रोल रूम भी बनाएं। आगामी त्यौहारों में गुरू पूर्णिमा, नाग पंचमी, रक्षा बंधन, भुजरिया और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सहित श्रावण मास के सभी सोमवार को श्रृद्धालुओं का बड़ी संख्या में मंदिर आना होता है, इसको ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में एसडीएम बैरागढ़, पुलिस निरीक्षक बैरागढ़, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सम्पादकीय

नीट, नेट अग्निवीर अब विपक्षी तरकश के तीर..

नीट और नेट वाले मामले में तो सरकार को बैकफुट पर आना ही पड़ा है, संकेत मिल रहे हैं कि अग्निवीर मामले में भी सरकार कदम पीछे खींच सकती है। विपक्ष और खास तौर पर कांग्रेस इसका जमकर विरोध कर रही है, यही नहीं, उसे इस मुद्दे पर युवाओं का साथ भी मिलता दिख रहा है। नीट मामले में तो लगातार यह साफ होता ही जा रहा है कि परीक्षा में निश्चित तौर पर घपला हुआ है और इससे लाखों युवाओं की मेहनत पर पानी भी फिरा है। सत्ता में बैठी भाजपा को मिल रहा फीडबैक उसके लिए चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि युवा उससे दूर जाता दिख रहा है।

एनटीए यानि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक (यूजी-नेट) के रूप में नौकरियों के लिए आयोजित परीक्षा और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए केंद्रीकृत परीक्षा (नीट) में हुए चौंकाने वाले खुलासे के बाद से आलोचनाओं के घेरे में है। विपक्ष ने भी सरकार को इस उम्मीद में घेरना शुरू कर दिया है कि 2014 से युवाओं का जो वर्ग मुख्यत: भाजपा का समर्थक रहा था, उसे किसी भी तरह अपनी ओर खींचा जाए। सोशल मीडिया पर तो सरकार के खिलाफ युवाओं में माहौल कुछ ज्यादा ही बनता दिख रहा है, जो सामान्य नहीं कहा जा सकता।

और सत्ता में काबिज एनडीए के मुख्य घटक दल भाजपा के लिए भी आगे की चुनौती को कम आंकना नासमझी ही कही जाएगी। पिछले तीन लोकसभा चुनावों में, 18-35 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस की तुलना में नरेंद्र मोदी और भाजपा को स्पष्ट प्राथमिकता दी है। यहां तक कि 2024 में- जब भाजपा की सीटों की संख्या 2019 की तुलना में 63 घट गई और वह लोकसभा में बहुमत से चूक गई- तब भी युवा भाजपा को लेकर अपनी पसंद पर अड़े रहे। सीएसडीएस-लोकनीति सर्वेक्षण का अनुमान है कि 25 वर्ष से कम आयु के 39 प्रतिशत और 26-35 आयु वर्ग के 38 प्रतिशत मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया, जबकि कांग्रेस को इस वर्ग के क्रमश: 21 प्रतिशत और 22 प्रतिशत मतदाताओं ने ही समर्थन दिया। लेकिन 2019 की तुलना में 2024 में उपरोक्त आयु-समूहों में उसका वोट शेयर 1प्रतिशत और 2प्रतिशत घट गया और ये वोट सीधे कांग्रेस के खाते में जाकर जुड़े।

इस पृष्ठभूमि में, राहुल गांधी की अगुवाई में विपक्ष का युवाओं तक निरंतर पहुंच बनाना आने वाले महीनों में भाजपा के लिए चिंता का विषय हो सकता है। पार्टी के अंदर भी इस विषय पर चर्चा शुरू हो गई है, वहीं संघ परिवार ने भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता परोक्ष अपरोक्ष रूप से की है। हालांकि यह माना जाता है कि शिक्षा मंत्रालय केंद्र में आज भी कहीं न कहीं संघ परिवार के मार्गदर्शन में ही चल रहा है।

अग्निवीर वाला मामला सेना और उससे जुड़े परिवारों में ज्यादा चर्चा का विषय है। हाल ही में जम्मू के नौशेरा सेक्टर में खदान में हुए धमाके में जान गंवाने वाले 24 वर्षीय अग्निवीर अजय सिंह का परिवार मुआवजे में देरी के लिए सरकार और सेना पर निशाना साध रहा है। इस मामले को राहुल गांधी ने भी उठाया था। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में दावा किया कि परिवार को 1 करोड़ रुपए मिले हैं और सेना ने इस दावे का समर्थन किया है। जबकि परिवार का कहना था कि उन्हें जो पैसा मिला, वह दो बीमा पॉलिसियों का था। उन्हें अभी तक वह मुआवजा राशि नहीं मिली है, जिसका वायदा सेना ने अजय सिंह के अग्निपथ योजना में शामिल होने पर किया था।

इस शहीद का परिवार यह भी मांग कर रहा है कि इस योजना को खत्म कर दिया जाना चाहिए क्योंकि अग्निवीर और एक नियमित सैनिक के बीच कोई समानता नहीं है, जबकि दोनों को ही ड्यूटी के दौरान समान जोखिम का सामना करना पड़ता है। ऐसा लगता है कि परिवार को बोलने का साहस राहुल गांधी की व्यक्तिगत यात्रा से मिला है, जिन्होंने पूरा मुआवजा मिलने तक उनकी ओर से लड़ने का वादा किया है। सत्ता पक्ष की ओर से इस पर कोई भी राजनीतिक संकेत नहीं दिया गया है, जिसके कारण विपक्ष को सरकार के खिलाफ और बोलने का मौका मिल गया है।

इसी तरह से नीट और नेट का मामला है। जब निराश और हताश छात्र पेपर-लीक और उसके बाद यूजी-नेट और नीट परीक्षाओं को रद्द/स्थगित करने के विरोध में सड़कों पर उतर आए, तो सरकार की ओर से कोई मदद नहीं मिली। पहले तो शिक्षा मंत्री ने साफ तौर पर एनटीए को क्लीन चिट दे दी। बाद में जब हो-हल्ला बढ़ा और विपक्ष के हमले तेज हुए, तब जांच के आदेश दिए गए, कुछ लोगों को हटाया गया। यही नहीं, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भी किया। प्रधानमंत्री ने खुद संसद को बताया कि आगे पेपर-लीक को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। लेकिन छात्र सहानुभूति की एक ऐसी व्यक्तिगत भावना की तलाश कर रहे थे, जिसका प्रदर्शन राहुल गांधी ने किया और विरोध कर रहे नीट उम्मीदवारों से मिलने के लिए समय निकाला था।

सही बात तो यह है कि सत्ता में होने पर सरकारें यह भूल जाती हैं कि लोगों तक पहुंचना, किसी कार्रवाई जितना ही महत्वपूर्ण है। निजी रूप से मिलना, चिंता जताना, धैर्य से बातें सुनना, ये सभी चीजें उस स्पर्श को प्रदान करने में बहुत मददगार होती हैं, जिसकी लोग सत्ता में बैठे लोगों से अपेक्षा करते हैं। इधर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, लालू के बेटे तेजस्वी यादव और महाराष्ट्र की सुप्रिया सुले जैसे लोगों के नेतृत्व में एक ऊर्जावान विपक्ष संसद और बाहर सरकार पर दबाव बनाने के लिए कमर कसकर मैदान में उतर आया है।

जाहिर है, सत्ता में बैठी भाजपा को इस चुनौती का सामना करने के लिए कोई ठोस पहल करनी होगी और वह संगठन स्तर पर नहीं, अपितु सरकार स्तर पर ही की जाएगी, तभी कुछ कामयाबी मिलेगी। क्योंकि संगठन स्तर पर तो भाजपा सारे विपक्षी दलों के मुकाबले बहुत सक्रिय रहती ही है। युवाओं को खास तौर पर सीधे पार्टी में या संघ के आनुषांगिक संगठनों के माध्यम से जोड़ने के अभियान चलते रहते हैं। लेकिन इस समय अग्निवीर और नीट-नेट उसके लिए मुसीबत बने हुए हैं, इससे इंकार नहीं किया जा सकता।

हारे हुए नेताओं को भी भाजपा देगी जीत का इनाम !

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश में बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के दौरान जीत के जबरदस्त झंडे गाढ़े हैं, लेकिन अब एडजस्टमेंट का दौर जारी है। जीत की खातिर बीजेपी ने बहुत सारे डिप्लोमेटिक गेम्स खेले थे, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का दल-बदल हुआ था। इसके अलावा कांग्रेस के बड़े नेताओं को तो बकायदा इवेंट बनाकर बीजेपी में शामिल किया गया। इस रणनीति से बीजेपी ने हालिया जंग तो जीत ली,लेकिन आगे जीत के आसार बहुत कम दिखाई दे रहे हैं। असल में हर रिपोर्ट ने इस बात की गवाही दी है कि जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में बहुत नाराजगी है। नए और पुराने की जंग से लॉन्ग टर्म में पार्टी को नुकसान हो सकता है। लिहाजा अब बीजेपी का पूरा फोकस संगठन में बदलाव और मजबूती की तरफ हो गया है। इस बदलाव की कौन भेंट चढ़ सकता है और किसे मौका मिल सकता है।

24 राज्यों के प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी बदले

भोपाल में हाल ही में बीजेपी की एक बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में करीब एक हजार से ज्यादा मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। इस बैठक अहम मकसद तो रिजल्ट की समीक्षा करना था, लेकिन ये भी साफ कर दिया गया कि संगठन में बड़े बदलावों के लिए हर कार्यकर्ता तैयार रहे। केंद्रीय आलाकमान के लेवल से तो ये काम शुरू भी हो भी चुका है। आलाकमान ने 24 राज्यों के प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी बदल दिए हैं। मध्यप्रदेश में फिलहाल डॉ. महेंद्र सिंह और सतीश उपाध्याय को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक सवाल ये जरूर उठ सकता है कि जब एमपी में बीजेपी सारी की सारी सीटें जीत चुकी है तो यहां रिजल्ट की समीक्षा कैसी और संगठन में बदलाव की जरूरत क्यों...। असल में साल 2020 से मध्यप्रदेश में दल बदल का सिलसिला तेजी से जारी है। ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसा लीडर इस दल बदल का फेस बने। इसके बाद ये सिलसिला पूरे देश में दिखाई दिया, लेकिन मध्यप्रदेश में इसका लेवल कुछ अलग ही रहा है। यहां जितनी बड़ी संख्या में बड़े नेता दल बदल कर बीजेपी में आए। उतनी ही बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी बीजेपी का हिस्सा बने। इसके बाद से बीजेपी के संगठन को ये शिकायत मिलती रही है कि कांग्रेस से इंपोर्ट कार्यकर्ता पार्टी के चाल, चरित्र और चेहरे को समझ नहीं पा रहे हैं। जिस वजह से मूल कार्यकर्ता नाराज है।

बीजेपी संगठन में कसावट लाने में देर नहीं करेगी

इस बार बीजेपी पूरी तरह से पावर में थी। विधानसभा चुनाव में मोदी के फेस और शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहना योजना ने कमाल दिखाया और कांग्रेस की हार हुई। लोकसभा चुनाव में सारा दांव सिर्फ एक सीट पर था। कुछ सीटों पर बीजेपी ने अपने दिग्गज नेता उतारे और एक हारी हुई सीट छिंदवाड़ा में जीत के लिए सारी

ताकत झोंक दी। तब जाकर कहीं 29 की 29 लोकसभा सीटें बीजेपी को मिल सकी हैं। अब प्रदेश में किसी भी स्तर पर चुनाव होने में कुछ साल हैं। इस समय का उपयोग बीजेपी संगठन में कसावट लाने और नए कार्यकर्ताओं को कसने में करना चाहती है, क्योंकि एक बार तो बीजेपी ने ऐसे हालात में चुनाव जीत लिया। लेकिन ये हर बार मुमकिन हो ही जाएगा ये कहना सही नहीं होगा। यही वजह है कि जीत के बावजूद बीजेपी संगठन में कसावट लाने में देर नहीं करना चाहती है।

इन नेताओं का दबदबा केंद्रीय संगठन में दिखाई देगा!

माना जा रहा है कि कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने में अहम भूमिका रही है, उन नेताओं का दबदबा अब केंद्रीय संगठन में दिखाई दे सकता है। संगठन में जिन्हें जगह मिल सकती है, उनमें प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया, जयभान सिंह पवैया सहित कई नेताओं के नाम शामिल होने की चर्चा है। इन नेताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि सत्ता हो या संगठन भाजपा में हमेशा प्रदेश के नेताओं का दबदबा रहा है। वही दबदबा एक बार फिर कायम दिखाई देगा।

सभी ने अपना जिम्मा पूरा किया

मौजूदा पदाधिकारियों को ये भी यकीन है जिस तरीके से केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य के पांच नेताओं को मंत्री बनाया है, उसी तरह आने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी मप्र के बड़े नेताओं को जगह मिलेगी। वीडी शर्मा को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दी थी। उन पर वोट शेयर बढ़ाने, मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक आकर्षित करने, युवाओं जोड़ने और सभी सीटें जिताने की जिम्मेदारी थी। शर्मा ने इन सभी जिम्मेदारियों को निभाया। इसका नतीजा रहा कि पूरे देश में मप्र ऐसा राज्य बना है, जहां भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। शर्मा खुद अपनी सीट से 5 लाख 31 हजार 229 वोटों से जीते। इसी तरह पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को नई ज्वाइनिंग कमेटी का जिम्मा दिया गया था। उन्होंने पूरे प्रदेश में भाजपा में सदस्यता अभियान चलाया और कई लोगों को पार्टी में जोड़ा। खास बात यह रही कि, इस दौरान कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता और दिग्गज नेता भी भाजपा में शामिल हो गए। इस अभियान ने भाजपा की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

दल-बदल कर आने वालों को पूरा क्रेडिट मिला

बीजेपी ये भी नहीं भूली कि दल बदल कर आने वाले बड़े नेताओं को कहां और कैसे नवाजना है। ज्योतिरादित्य सिंधिया को लगातार पार्टी तवज्जो देती रही है। उनके साथ दल बदल कर आने वालों को भी पूरा क्रेडिट मिला और हाल में कांग्रेस से बीजेपी में आए वरिष्ठ विधायक रामनिवास रावत को भी बीजेपी ने मंत्री पद सौंप दिया है। सिर्फ एक नए विधायक को कैबिनेट में शामिल करने के लिए मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया, हालांकि ये खबर लिखे जाने तक राम निवास रावत ने अपनी पुरानी पार्टी यानी कि कांग्रेस से इस्तीफा नहीं दिया था।

सिंह और उपाध्याय की जोड़ी का प्रभाव देखने को मिलेगा

अब एक बार फिर रुख करते हैं पार्टी के संगठन का, मध्यप्रदेश में सौ प्रतिशत रिजल्ट देने वाले लोकसभा चुनावों के प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और सह प्रभारी सतीश उपाध्याय को ही मप्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभारियों की नियुक्ति के बाद में प्रदेश संगठन स्तर पर बड़ा बदलाव किया जा सकता है। संभावना जताई जा रही है कि प्रदेश संगठन के गठन में डॉ. महेंद्र सिंह और सतीश उपाध्याय की जोड़ी का प्रभाव देखने को मिलेगा। संगठन के प्रभारी रहे पी मुरलीधर राव प्रभारी की जिम्मेदारी से मुक्त किए जा चुके हैं। सिंह और उपाध्याय की जोड़ी ने लोकसभा चुनावों के दौरान प्रदेश में खासी मेहनत की थी। बूथ स्तर तक पहुंचकर दोनों कार्यकर्ताओं की बैठकें कर रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई. हर जिले में संगठन के नेता और कार्यकर्ताओं के बीच दोनों की पहचान भी हो चली है। साथ ही संगठन के नेताओं से तालमेल भी छह महीने में बना है। उपाध्याय को तो 2019 के चुनाव में भी प्रदेश का सह प्रभारी बनाया गया था। विधानसभा चुनाव केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मध्य प्रदेश का प्रभारी और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को सह प्रभारी बनाया था।

अब माना जा रहा है कि बीजेपी का संगठन लेवल का ढांचा बदला हुआ दिखाई देगा। बीजेपी की कोशिश है कि राम निवास रावत के एडजस्टमेंट के बाद अब पार्टी को बड़े लेवल पर ज्यादा एडजस्टमेंट पर काम न करना पड़े। अब सारा फोकस उन कार्यकर्ताओं पर है जो इन बड़े नेताओं के साथ आए हैं लेकिन बीजेपी के नहीं हो पा रहे हैं। जमीन लेवल के उस कॉन्फ्लिक्ट को खत्म कर बीजेपी अगले चुनावों से पहले अपनी जड़ें मजबूत कर लेना चाहती है।

नए समीकरणों में मोदी सरकार 3.0

राकेश दुबे

लोकसभा के हाल ही में सत्र में दिया राहुल गांधी का पहला भाषण, भगवानों एवं संतों का संदर्भ से ओत-प्रोत था भगवान शिव से लेकर गुरु नानक एवं जीसस क्राईस्ट तक जिसके जरिए उन्होंने हिंदू धर्म की 'समावेशी आत्मा' और हालिया वर्षों में भाजपा द्वारा बरते जा रहे अधिक कट्टरता वाले हिंदुत्व के बीच अंतर को उजागर करना चाहा और संसद में इसकी जरूरत वाकई लंबे समय से थी।

इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस की तेज-तर्रार नेत्री महुआ मोइत्रा का अपने संबोधन में पैब्लो नेरूदा और पुनीत शर्मा के उदाहरणों का इस्तेमाल (तुम कौन हो बे, मुझे पूछते हो, इस देश से मेरा रिश्ता कितना गहरा है) 'डर से निजात' को जतलाने के मकसद से था, जिसके लिए उन्होंने जोर देकर कहा, यह अब देश में पैदा हुए नए जज़्बे का उद्घोष है।

चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी ने और न ही नीतीश कुमार के जदयू ने ङ्क जिनके सहारे पर यह सरकार है,मानो उन्हें ज़रा परवाह नहीं। लगता है नायडू और नीतीश, दोनों को, भली-भांति पता है ङ्कनीतीश के गिरते स्वास्थ्य की अफवाहों के बावजूद- चोट मारने का यही सही वक्त है, जब लोहा गर्म है। अर्थात?, यही समय है जब केंद्र सरकार से अपने-अपने सूबे की हालत सुधारने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता ले सकें, भले ही इसके लिए 'विशेष राज्य' का दर्जा मिले न मिले। नायडू, जिनके 16 सांसद एनडीए के लिए बहुमूल्य हैं, विशेष तौर पर उन्हें अपनी नव-अर्जित शक्ति का भान है। चूंकि वे पहले भी कई राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ कर चुके हैं लिहाजा दलबदलू के ठप्पे की परवाह नहीं है, बतौर मोदी का सहयोगी, उनका मंतव्य अपने लिए अधिक से अधिक फायदा पाना है।

उनका उद्देश्य केंद्र सरकार को उनके सूबे के मुद्दों पर 'समयबद्ध ध्यान' देने के लिए राज्य सरकार के अफसरों के साथ एक 'प्रभावशाली समन्वय' तंत्र बनानाहै ङ्क इन विषयों में, प्रस्तावित नई राजधानी अमरावती के लिए रिंग रोड की मांग से लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजटीय भाषण में आंध्र प्रदेश में नई तेल रिफाइनरी लगाए जाने की घोषणा शामिल है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नायडू कितना धन मांग रहे हैं। किसी का कहना है कि 1 लाख करोड़ रुपये तो कोई इससे आधा, लेकिन जो बात शीशे की तरह साफ है, वह यह है कि जो भी चाहेंगे, वह मिलेगा। जिन लोगों को हकीकत का पूरी तरह अहसास है, वे जानते हैं कि संसद में की गई गर्मागर्म बहस और आतिशी भाषण, मसलन, राहुल और महुआ के, साफ कहें, तो इनका कोई फायदा नहीं। क्योंकि मोदी 3.0 तब तक चलेगी जब तक कि नायडू पूरी तरह संतुष्ट हैं, इसलिए यह मोदी के हित में होगा कि उन्हें खुश बनाए रखें। फिर, ऐसा भी नहीं कि इन्हें देने को केंद्र सरकार के पास पैसा नहीं है पर्याप्त है।

बल्कि उसके पास चतुरतम नौकरशाही भी है, जिसे भली-भांति इल्म है कि इसके लिए जुगाड़ कहां से और कैसे करना है। मोदी और नायडू, दोनों को भी यह पता है। उनसे यह भी छिपा नहीं है कि नीतीश कुमार अधिक खतरनाक हो सकते हैं, क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं और खुद को राजनीतिक रूप से फंसा देख यह शख्स अपनी जरूरत की खातिर किसी भी हद तक जा सकता है।

जिन सबको देश की हालत को लेकर चिंता है, तो यहां खुशकिस्मती से दुनिया में भारत का स्थान बेहतर मुल्कों में एक है, क्योंकि माली हालत अच्छी है ङ्क यह अलग बात है कि क्या इसका अधिकांश भाग केवल दो सूबों को संवारने में लगने वाला है। इसलिए, दिल्ली का कौन-सा प्रारूप अधिक सच है, एक वह जो कहता है कि भारत बदल चुका है क्योंकि भाजपा अपने दम पर बहुमत नहीं ले पाई और उसे दबकर रहना पड़ेगा और यह भी कि सत्ताधारी दल के 'बहुसंख्यकों का तुष्टीकरण' एजेंडे की तरफ लोगों का झुकाव अब और नहीं रहा? या फिर वह प्रारूप जिसमें माना जाता है कि संसद भले ही स्तरीय भाषणों का मंच हो, लेकिन असल शक्ति हमेशा से संसद से बाहर ही रही है?

राज-काज: कमलनाथ- दिग्विजय के बीच लगातार बढ़ रही दूरी

दिनेश निगम 'त्यागी'

कांग्रेस में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच दोस्ती की

मिसाल दी जाती थी, लेकिन अब दोनों के बीच लगातार दूरी बढ़ने की खबरें हैं। अमरवाड़ा विधानसभा सीट के लिए उप चुनाव हो रहा है। कमलनाथ की प्रतिष्ठा यहां जुड़ी है। उन्हें साबित करना है?कि उनका बेटा नकुलनाथ लोकसभा चुनाव भले हार गया लेकिन छिंदवाड़ा क्षेत्र में उनकी पकड़ कमजोर नहीं है। इसके लिए अमरवाड़ा में कांग्रेस की जीत जरूरी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ वे वहां डेरा डालकर जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उप चुनाव से दिग्विजय सिंह जैसे बड़े नेता की गैर-मौजूदगी?कमलनाथ से उनकी बढ़ती दूरी का संकेत दे रही है। दिग्वजय अब तक अमरवाड़ा प्रचार के लिए नहीं गए। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी दोनों ने एक दूसरे के क्षेत्र से दूरी बनाकर रखी थी। दिग्वजय न छिंदवाड़ा नकुलनाथ के प्रचार में गए थे और न ही कमलनाथ एक भी दिन राजगढ़ दिग्विजय के समर्थन में पहुंचे। दोनों जगह कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था। बता दें, इससे पहले जब दिग्विजय मुख्यमंत्री थे तो कमलनाथ उनके लिए संकटमोचक की भूमिका निभाते थे। दिग्विजय भी उन्हें बड़े भाई जैसा सम्मान देते थे। कमलनाथ मुख्यमंत्री बने तब दिग्विजय उनके खेवनहार बने। हालांकि कमलनाथ के मुख्यमंत्री रहते ही दोनों के बीच मतभेद की खबरें आना शुरू हो गई थीं।

विधानसभा में बन गया यह एक और इतिहास

विधानसभा के इस बजट सत्र में दो घटनाएं इतिहास में दर्ज हुईं। पहला, नर्सिंग घोटाले पर ध्यानाकर्षण के जरिए कराई गई 5 घंटे की चर्चा और दूसरा, सबसे छोटा 5 दिन का बजट सत्र। स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने सत्तापक्ष की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए नर्सिंग घोटाले को लेकर जिस तरह लंबी चर्चा होने दी, उसे देखकर लगा कि इस विधानसभा का नजरा बदला हुआ नजर आएगा। विपक्ष को बोलने का पर्याप्त अवसर मिलेगा और लोकतंत्र के इस मंदिर की साख बहाल होगी। पर जिस तरह 19 जुलाई तक चलने वाले बजट सत्र को पांचवें दिन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया, उसे देखकर लगा कि यह सोचना जल्दबाजी होगी। बजट सत्र आमतौर पर सबसे लंबे और महत्वपूर्ण होते थे। बजट के साथ विभागों की अनुदान मांगों पर महीनों चर्चा होती थी। इसके साथ जनता से जुड़े मुद्दों पर प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण, शासकीय- अशासकीय संकल्पों पर चर्चा होती थी। 2003-04 में जबसे भाजपा प्रदेश की सत्ता में आई तब से धीरे-धीरे इन सत्रों की अवधि छोटी होती गई। इस बार का बजट सत्र तो इतिहास में दर्ज हो गया। चलना था 1 जुलाई से 19 जुलाई तक और स्थगित हो गया 5 जुलाई को पांचवें दिन। ऐसा विपक्ष के विरोध के बावजूद किया गया। कम से कम स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर के रहते ऐसी उम्मीद नहीं थी।

'भुट्टा पार्टी'को 'पॉवर सेंटर' कहना कितना जायज?

प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने बंगले

में 'भुट्टा पार्टी' पहली बार नहीं दी है, पहले भी वे ऐसे आयोजन करते रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बाद वे दूसरे ऐसा नेता हैं जो समय-समय पर प्रमुख नेताओं और मीडिया को बुलाकर भोजन कराने का शौक रखते हैं। वे जब भी ऐसे आयोजन करते हैं तो हमेशा एक वर्ग प्रचारित करने लगता है कि विजयवर्गीय का बंगला नया 'पॉवर सेंटर' बन रहा है। विजयवर्गीय प्रदेश और देश के ताकतवर नेता हैं, पॉवर दिखाने के लिए उन्हें ऐसे आयोजन करने की जरूरत नहीं है। वैसे भी समानांतर 'पॉवर सेंटर' बनाने वाले नेता ऐसे आयोजन नहीं करते। उनके यहां सिर्फ संबंधित नेता के समर्थकों का जमावड़ा होता है। ऐसे आयोजनों में कभी मीडिया को नहीं बुलाया जाता। विजयवर्गीय जब भी आयोजन करते हैं, उसमें मुख्यमंत्री के साथ हर पक्ष के नेता शामिल होते हैं। भुट्टा पार्टी में भी मुख्यमंत्री, मंत्री आए और विधानसभा अध्यक्ष भी। सबसे ज्यादा तादाद मीडिया के लोगों की थी। संभवत: 'पॉवर सेंटर' के रूप में प्रचारित करने के कारण ही बीच में विजयवर्गीय ने ऐसे आयोजन बंद कर दिए थे। हालांकि इसकी वजह उनका केंद्र की राजनीति में चले जाना भी था। बहरहाल, विजयवर्गीय के इस आयोजन के कारण बंगला नंबर सी-21 को नए 'पॉवर सेंटर' के तौर प्रचारित करना ठीक नहीं।

स्पीकर में सत्तापक्ष पर भी अंकुश लगाने की क्षमता

विधानसभा को लंबे समय बाद नरेंद्र सिंह तोमर के रूप में ऐसे स्पीकर मिले हैं, जो गंभीर हैं, हर मुद्दे की समझ रखते हैं, नियम-कायदों का अनुभव है और सबसे महत्वपूर्ण उनके पास सत्तापक्ष पर भी अंकुश लगाने की क्षमता है। वजह है उनका वरिष्ठ होना और सभी

पक्षों में उनके प्रति सम्मान का भाव। यह ठीक है कि स्पीकर को सत्तापक्ष की मर्जी से सदन चलाना पड़ता है, लेकिन लोकतंत्र के इस मंदिर की सार्थकता तभी है जब विपक्ष को भी पर्याप्त समय और महत्व मिले, उनकी आवाज दबाई न जाए। विधानसभा की आसंदी में बैठकर तोमर ऐसा करते दिखाई पड़ रहे हैं। नर्सिंग घोटाले मुद्दे पर लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर 5 घंटे तक चली चर्चा इसका प्रमाण है। विधानसभा के इतिहास में शायद ही कभी किसी ध्यानाकर्षण पर इतनी लंबी और सार्थक चर्चा हुई हो। सत्तापक्ष ने कई बार इस पर आपत्ति की लेकिन स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर की दृढ़ इच्छा शक्ति के सामने किसी की नहीं चली। अन्य मसलों पर भी वे विपक्ष को पर्याप्त बल्कि सत्तापक्ष से ज्यादा अवसर देते दिखाई पड़े। इससे अलावा तोमर सदन के अंदर कभी किसी मंत्री की सीट के पास विधायकों की भीड़ नहीं लगने देते। कितना भी वरिष्ठ मंत्री क्यों न हो वे तत्काल ऐसा करने से रोकते हैं। जबकि पहले कई बार सदन के अंदर बाजार जैसा नजारा देखने को मिल जाता था।

अवैध कालोनियों को लेकर यह कैसा निर्णय?

अवैध कालोनियों के मसले पर प्रदेश की डॉ मोहन यादव सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उलट रास्ता अख्तियार किया है। शिवराज अवैध कालोनियों को वैध करने के पक्ष में थे जबकि डॉ यादव की सरकार ने ऐलान कर दिया है कि प्रदेश की एक भी अवैध कालोनी वैध नहीं की जाएगी। यहां तक कोई समस्या नहीं है, लेकिन सरकार ने जो नीति तय की है वह गले नहीं उतर रही। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा के अंदर घोषणा की कि अवैध कालोनियों को वैध नहीं किया जाएगा। इस क्षेत्र में एक नेक्सस काम कर रहा है, उसे रोकने के लिए कड़े नियम बनाए जा रहे हैं। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि अवैध कालोनियों में रहने वालों की सुविधा के लिए अधोसंरचना का विकास किया जाएगा और मकान बनाने की अनुमति भी दी जाएगी। मौजूदा सरकार की यह नीति ही समझ से परे है। सरकार एक तरफ कालोनियां वैध भी नहीं करेगी और दूसरी तरफ वहां रहने वालों को सुविधाएं भी देगी और मकान बनाने की अनुमति भी। यह अवैध कालोनियों को प्रोत्साहन ही हुआ। ये दोनों काम एक साथ कैसे किए जा सकते हैं? हालांकि विजयवर्गीय ने चुनाव का जिक्र कर मजबूरी की तरफ भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि कई बार वोट के लिए कई निर्णय लेने पड़ते हैं। जनप्रतिनिधियों की सुनना पड़ती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश राय ने मां के 74 वें जन्मदिन पर 74 पौधों का किया रोपण

दमोह। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश राय ने अपनी मां मालती राय पति स्व. राजू लाल राय का 74 वां जन्मदिन ब्रह्माकुमारी आश्रम जटाशंकर धाम में मनाया जिसमें उपस्थित परिजनों एवं शुभ चिंतकों ने माता जी का सम्मान कर उनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना की तथा इस मौके पर ÷एक पेड़ मां के नाम÷ की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए 74 पौधे दीनदयाल पार्क एवं सर्किट हाउस में रोपण कर प्रेरणादायक कार्य किया। इस कार्य में ब्रम्हकुमारी परिवार, एड. रामनारायण नेमा, डॉ. संजीव सिंघई, डॉ. मनीषा सिंघई, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधा राय, कैलाश शैलार, रोहित गुप्ता, मुकेश राय, आशा राय, प्रीतम चौकसे, निशा चौकसे, प्रमोद राय, हरीश राय, बीएम दुबे, केआर पांडे, प्रोफेसर एम.के. जैन, श्याम विश्वकर्मा, सुधीर जैन, एच.एल. चौरसिया, मेघ तिवारी, अविरल असाटी, अविनाश दुबे, राजकुमार, शिवानी पटेल, निधि पटेल आदि का सहयोग रहा।

कलेक्टर ने नकल में संलिप्त दो सहायक ग्रेड 3 अधिकारियों को किया निलंबित

भिण्ड। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने बी.ए. और बी.एस.सी. की परीक्षा में निरीक्षक के रूप में कर्तव्य के दौरान सामूहिक नकल कराने के आरोप में दो सहायक ग्रेड 3 अधिकारियों, राजेन्द्र कुमार सोनी और रविन्द्र सिंह कुशवाह, को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राजेन्द्र कुमार सोनी, सहायक ग्रेड 3, शासकीय महाविद्यालय लहार, को शासकीय आई.टी.आई. लहार में आयोजित बी.ए. और बी.एस.सी. परीक्षा में सामूहिक नकल कराने में संलिप्त पाया गया। कलेक्टर श्रीवास्तव ने इस कृत्य को म0प्र0 सिविल सेवा आचारण नियम 1965 के विपरीत मानते हुए श्री सोनी को म0प्र0 सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में श्री सोनी का मुख्यालय शासकीय एम.जे.एस. महाविद्यालय भिण्ड नियत किया गया है और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने कैंपेन चलाएं: कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष छतरपुर में टीएल प्रकरणों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एडीएम मिलिंन नागदेवे सहित एसडीएम, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में एक पेड़ मां के नाम एवं हर मोड़ बरगद का पेड़ अभियान, फरूट फॉरेस्ट, जल जीवन मिशन, आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री जी.आर. ने बागेश्वर धाम ग्राम गढ़ा में समस्त होम स्टे में रुकने वालों की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छता व्यवस्था के बेहतर प्रबंध कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा दुकानों में फायर सेफ्टी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रहे और गैर कानूनी गतिविधियों को रोकने और कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत जिन ग्रामों में हर घर नल से जल पहुंचने लगा है। वहां से जल कर की वसूली करें। उन्होंने कहा मुनादी कराकर गांव के लोगों को जानकारी दी जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि तालाबों सहित अन्य जल स्त्रोतों के गहरीकरण होने से वॉटर लेबल में बढ़ोत्तरी होने का आंकलन करें। उन्होंने कहा बारिश के मौसम में पेजजल की समस्या नहीं हो। साथ ही जहां पानी जमा हो तो है उसे खाली कराएं। जिससे मच्छर न पनप सकें।

कलेक्टर ने बक्सवाहा के विभिन्न ग्रामों का किया दौरा

छतरपुर,।कलेक्टर संदीप जी.आर. ने जिले के दूरस्थ क्षेत्र एवं आकांक्षी ब्लॉक बक्सवाहा एवं बड़ामलहरा एवं छतरपुर के विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण कर शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं के मिल रहे लाभ की जमीनी हकीकत जानने ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने ग्राम रमपुरा, मातगुवां एवं परा में फरूट फॉरेस्ट के लिए चिन्हित जमीन का निरीक्षण किया। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र केवलाई का निरीक्षण कर मुख्य मार्ग से केंद्र तक सुव्यवस्थित पाथ बनाने के

सड़क के लिए ग्रामीण परेशान, बारिश के दिनों और बढ़ जाती हैं मुश्किलें

औबेदुल्लागंज संवाददाता (सुरेश केवट) -मध्यप्रदेश की राजधानी से महज 40 किलोमीटर दूर स्थित जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज की ग्राम पंचायत गौतमपुर का जोन्दरा गाँव जहाँ आज भी सड़क नही है। ग्रामीणों की मुश्किलें बारिश के दिनों और बढ़ जाती है जब गांव पहुँचे वाले कच्चे रास्ते मे बड़े बड़े गड्ढे हो जाते है। बारिश के दिनों में बच्चे स्कूल तक नही जा पाते है, गांव में अगर किसी महिला की डिलेवरी होना हो या तबियत खराब हो जाये तो उसे खटिया पर रखकर डेढ़ किलोमीटर तक पैदल ले जाना पड़ता है। सड़क नही होने के कारण एम्बुलेंस और जननी एक्सप्रेस की गाड़ियां गांव तक नही पहुँच पाती है। इस गांव के हालात बत से ज्यादा बत्तर है। उसके बाद भी कई बार प्रशासन से लेकर जिम्मेदारों से गुहार लगाई गई लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। सोमबार को गुस्साए दर्जनों महिला व पुरुष ग्रामीणों ने जिला जनपद सदस्य कमलेश उइके के साथ मिलकर तहसील कार्यालय का घेराव कर दिया और जमकर नारेबाजी की। वही एसडीएम ने जल्द ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने की बात कही है।

इनका कहना

लगातार कई वर्षों से हम सड़क की मांग कर रहे हैं लेकिन प्रशासन द्वारा आज तक इस और ध्यान नहीं दिया गया है अगर तीन दिवस के अंदर हमारी समस्या का समाधान नहीं किया जाता तो हम उग्र आंदोलन कर चक्का जाम करेंगे

कमलेश उइके जिला पंचायत सदस्य

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना में बेहतर और सुदृण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए: राज्यमंत्री

14 जुलाई को होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक कन्यादान विवाह/निकाह कार्यक्रम की बैठक संपन्न

दमोह प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना के तहत आयोजित बैठक में कहा यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात होगी की प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी हम सभी के बीच में आयेंगे। 14 जुलाई को होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम में सभी व्यवस्थाए सुदृण और सुनिश्चित रहे, पुलिस की तदानुसार ड्यूटी लगाई जाए। यहाँ बड़ा और भव्य कार्यक्रम होना हैं। श्री लोधी ने कहा आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बरसात का मौसम है, तो थोड़ी चुनौतियां और ज्यादा होगी। इस आशय के विचार प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने आज तेंदूखेड़ा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह संबंधी बैठक के दौरान व्यक्त किये।

इस अवसर पर प्रभारी कलेक्टर अर्पित वर्मा, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, तहसीलदार सोनम पांडे, रूपेश सेन, एसडीओपी श्री ठाकुर, जबेरा सीईओ रामेश्वर पटेल, तेंदूखेड़ा सीईओ मनीष बागरी, ट्रैफिक सूबेदार दलवीर सिंह मार्को सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी गण तथा आम नागरिक मौजूद थे।

नकल प्रकरण मामले में सहायक प्राध्यापक डॉ. माहौर निलंबित

भोपाल। आयुक्त उच्च शिक्षा द्वारा भिंड जिले के शासकीय महाविद्यालय आलमपुर में पदस्थ सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार माहौर को पद का दुरुपयोग, स्वेच्छाचारिता एवं लापरवाही के गंभीर कदाचरण कृत्यों के लिए मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। शासकीय महाविद्यालय आलमपुर में 5 जुलाई को दो पाली, सुबह 9 से 12 और दोपहर 2 से 5 में बी.ए./बीएससी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं संचालित थी, जिसके केंद्राध्यक्ष सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार माहौर थे। अनुविभागीय अधिकारी, लहार द्वारा उक्त परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया गया, जिसमें तीन नकल प्रकरण बनाए गए। निलम्बन काल में डॉ0 दिनेश कुमार माहौर का मुख्यालय कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय भोपाल नियत रहेगा और निलम्बन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

उल्लेखनीय है उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने उच्च शिक्षा विभाग को परीक्षाओं की पवित्रता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। श्री परमार ने परीक्षाओं जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही करने के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

शाजापुर में अवैध शासकीय भूमि पर कब्जा: राजस्व विभाग के अधिकारी लापरवाह

शाजापुर-जिले में अवैध रूप से शासकीय भूमि पर कब्जा हो रहा है, जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत सामने आई है। कलेक्टर शाजापुर द्वारा गुलाना बस स्टैंड पर स्थित भूमि का पट्टा निरस्त किया गया था, लेकिन अब उसी स्थान पर पुनः निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

जनता में इस मामले को लेकर भारी नाराजगी है। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने कहा कि यह कार्य शनिवार और रविवार को किया जा रहा है, जब सरकारी कार्यालय बंद रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्य में कोई देरी नहीं होगी और कानूनी नियमों का पालन किया जाएगा।

तहसीलदार और अन्य अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह अवैध निर्माण हो रहा है। जनता ने मांग की है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाए ताकि शासकीय भूमि का दुरुपयोग न हो सके।

सिरोंज में दूषित भोजन करने से एक ही परिवार के 4 लोग गंभीर , भोपाल रेफर

.सिरोंज (विदिशा)। जिले के सिरोंज ग्राम टोकरा के रहने वाले अफसर और कदीर ने सिरोंज के पुराना बस स्टैंड की एक किराना दुकान से 15 लीटर की तेल की केन खरीदी. रविवार रात इस तेल परिवार में सब्जी बनाई गई. इस सब्जी को खाने के बाद 20 वर्षीय रिजवान, 24 वर्षीय अफसर, 55 वर्षीय रहिसन बी और 18 साल की तरन्नुम की तबीयत खराब हो गई. सभी को उल्टी, दस्त, पेट दर्द की शिकायत हो गई.

सोमवार को सिरोंज के सिविल अस्पताल में इनका उपचार चला, लेकिन तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ तो परिजन सभी को लेकर शाम को भोपाल रवाना हो गए. शाम को परिजन थाने सूचना देने गए तो जवाब मिला कि यह खाद्य विभाग का मामला है, जिससे तेल लिया था उस दुकानदार ने कहा कि तेल की केन वापस कर दो और पैसे वापस ले लो. परेशान परिजनों ने बताया कि हम चाहते हैं कि तेल की जांच हो ताकि सच्चाई सामने आए. कोई गरीब मिलावटी खाने के तेल का शिकार न हो.इसके बाद कुछ लोगों ने जिला खाद्य अधिकारी को कॉल किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया. इलाज करने वाले डॉ. गोलू जाटव का कहना है कि हो सकता है कि खाने के तेल से फूड प्वाइजनिंग हो गया हो. बारिश के मौसम समय दूसरे कारण भी हो सकते हैं. जैसे सब्जी खराब होना आदि. जांच के बाद ही सही कारण पता चलेगा.....बारिश के मौसम में खाने-पीने में सावधान जरूरीडॉ. गोलू जाटव का कहना है ÷हो सकता है कि खाने के तेल से फूड प्वाइजनिंग हो गया हो. बारिश के मौसम में खाने-पीने की चीजों पर बहुत सावधानी रखने की जरूरत है. दूषित पानी, भोजन करने से उल्टी-दस्त की शिकायत हो सकती है.÷ डॉक्टर्स का कहना है कि ये पक्के तौर पर वह अपने स्तर पर नहीं कह सकते कि तेल खराब था या सब्जी या फिर दूषित पानी से ये लोग बीमार हुए.

35 वाहन चेक 4 जब्त और 17 हजार वसूला जुर्माना

स्कूल वाहनों की चेकिंग अभियान में संयुक्त हुई कार्रवाई

धार । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक मनोजकुमार सिंह के निर्देशन में जिले में स्कूल में उपयोग किया जा रहे वाहनों की चेकिंग की जा रही है। 1 जुलाई से सोमवार तक अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ह्रदेश यादव ने यातायात पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए सरदारपुर अनुभाग में अमझेरा और दसई क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के 35 से अधिक वाहनों को चेक किया। चेकिंग के दौरान फिटनेस और बिना परमिट4 वाहनों को जब्त किए। साथ ही सभी वाहनों में विद्यार्थियों की सुरक्षा संसाधनों की गहनता से चेकिंग की गई। जिसके तहत अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, पैनिक बटन, स्पीड गवर्नर, सेफ्टी विंडो रेलिंग, आपात निकासी द्वार आदि को चेक किया गया। उन्होंने बताया कि अन्य वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। जिसके तहत 17 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। आरटीओ ह्रदेश यादव के अनुसार संपूर्ण जिले में कार्रवाई लगातार की जा रही है। अपूर्ण वैध दस्तावेज के वाहनों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लापरवाही करने वाले स्कूल संचालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी ह्रदेश यादव, सूबेदार रोहित निकम, मधुकर सिसौदिया, प्रदीप, भारत, आरक्षक गंधर्व, आरक्षक नितेश आदि उपस्थित थे।

हॉकफोर्स को मिली एक और बड़ी सफलता, 14 लाख रुपए का इनामी नक्सली मुठभेड़ में ढेर

भोपाल। मध्य प्रदेश में हॉकफोर्स ने बालाघाट जिले के कोठियाटोला के जंगल में सोमवार को एक हार्डकोर नक्सली सोहन उर्फ उकास उर्फ आयतु को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। मुठभेड़ में मारा गया नक्सली तीस वर्षीय सोहन आईइडी (विस्फोटक) बनाने में एक्सपर्ट था। वह छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले का रहने वाला है। यह मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में नक्सली गतिविधियों में संलिप्त था, जिस पर 14 लाख रुपए का इनाम घोषित था। उकास केबी डिवीजन का एसीएम था। उसके पास से 315 बोर की रायफल तथा केनवुड वायरलेस सेट बरामद किया गया है।

हॉकफोर्स को सूचना मिली थी की बालाघाट के हट्?टा थाना क्षेत्र के गोदरी पुलिस चौकी के ग्राम कोठियाटोला जंगल क्षेत्र में जीआरबी तथा केबी डिवीजन के नक्सलियों की गतिविधि है व वह सादे कपड़ों में राशन और दैनिक उपयोग की सामग्री एकत्र करने के लिए कोठियाटोला गांव पहुंच रहे हैं। इस आसूचना पर हॉकफोर्स ने जंगल में सघन सर्च अभियान आरंभ किया। हॉकफोर्स ने कोठियाटोला गांव में सादे कपड़ों में जा रहे 10-12 नक्सलियों को पूछताछ के लिए आवाज लगाई। इस दौरान संदिग्ध नक्सलियों द्वारा हॉकफोर्स पर अंधाधुंध फायरिंग की गई। आत्मरक्षा करते हुए हॉकफोर्स के जवानों ने जवाबी फायरिंग की। इस दौरान नक्सली घने जंगल और पहाड़ की आड़ लेकर भाग गए। सर्चिंग के दौरान एक नक्सली का शव बरामद हुआ। जिसकी शिनाख्त केबी डिवीजन के खूंखार एसीएम सोहन उर्फ उकास उर्फ आयतु के रूप में की गई। इस बात की पूर्ण संभावना है कि मुठभेड़ में कुछ अन्य नक्सली घायल हुए हैं, जिनकी तलाश जारी है।

मध्यप्रदेश में दर्ज हैं आठ आपराधिक प्रकरण

मृतक नक्सली सोहन उर्फ उकास उर्फ आयतु, वर्ष 2013 से प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) में शामिल होकर छत्तीसगढ़ की कई घटनाओं में शामिल रहा है। संगठन के प्रभाव क्षेत्र में विस्तार हेतु अपनाई गई नीति को अंजाम देने के लिए इसे केन्द्रीय कमेटी के सदस्य रहे दीपक उर्फ मिलिंद तेलतुम्बड़े के सहयोगी की महत्वपूर्ण भूमिका दी जाकर वर्ष 2019 में एम.एम.सी. जोन में भेजा गया था। इससे पूर्व में हुई अन्य मुठभेड़ों में यह शामिल रहा था। मध्यप्रदेश में इसके विरुद्ध 08 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं। अन्य राज्यों में दर्ज आपराधिक प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की जा रही है।

मुख्यमंत्री के कार्यकाल में यह तीसरी बड़ी सफलता

मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देश एवं प्रोत?साहन के परिणाम स?वरूप 14 दिसंबर 2023 को 14 लाख का ईनामी हार्ड कोर नक?सली मड़काम हिड्मा उर्फ चैतु (लगभग 32-33 वर्ष) निवासी ग्राम पोमरा, थाना मिरतुर, जिला बीजापुर (छत्तीगढ़) को मार गिराया गया था। अभियान में सम्मिलित 24 पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन प्रदान किया गया। 01 अप्रैल 2024 को नक?सल विरोधी अभियान के तहत दो ईनामी हार्ड कोर नक?सलियों को ढ़ेर करने वाले 25 पुलिसकर्मियों को भी आउट ऑफ टर्न प्रमोशन प्रदान गया है। पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाने और साहसिक कार्यवाहियों को प्रेरित करने के लिए मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा निरंतर इस तरह का प्रोत?साहन दिया जा रहा है तथा एक अप्रैल की मुठभेड़ में आउट ऑफ टर्न प्रमोशन प्राप्त पुलिसकर्मियों को रैंक लगाने मुख्यमंत्री स्वयं बालाघाट गए थे। सोमवार 8 जुलाई 2024 को भी हॉकफोर्स को 14 लाख के इनामी नक्सली सोहन उर्फ उकास उर्फ आयतु को धराशायी करने में सफलता मिली है।

पिछले दो वर्ष में नक्सल विरोधी अभियान में मप्र पुलिस को अभूतपूर्व सफलता

विगत दो वर्ष में नक्सल विरोधी अभियान में मप्र पुलिस ने अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त की हैं। 2022 से अब तक जितने नक्सली मारे गए हैं, उनकी संख्या उससे पिछले 20 वर्षों में मारे गये नक्सलियों की कुल संख्या से अधिक है। प्रदेश पुलिस ने पहली बार डीवीसीएम स्तर के तीन नक्सली ढेर किए, इनसे तीन एके-47 रायफल जब्त की गई। वहीं 82 लाख रुपए के इनामी नक्सली एसजेडसीएम अशोक रेड्?डी उर्फ बलदेव को गिरफ्तार किया है।

विगत पांच वर्षों में 19 इनामी नक्सली धराशायी

विगत 05 वर्षों में पुलिस-नक्सल मुठभेड़ों में 19 इनामी नक्सली धराशायी किए गए हैं । इन सभी मृतक नक्सलियों पर मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा संयुक्त रूप से 3.17 करोड़ का इनाम घोषित था। उपलब्धियों के लिहाज से वर्ष 2022 ऐतिहासिक रहा है, इस दौरान 3 मुठभेड़ों में 6 नक्सलियों को धराशायी करने में सफलता प्राप्त हुई । मृतक नक्सलियों में 03 डीव्हीसीएम तथा 1 कमांडर धराशायी किये हैं, जिनके पास से 3 एके-47 रायफल जब्त की गई। विगत 5 वर्षों के दौरान विभिन्न मुठभेड़ों में 5 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इन नक्सलियों पर संयुक्त रूप से 138.00 लाख रुपए का इनाम घोषित था ।

सोशल मीडिया से

Morning Coffee

New Perspective Creating new things or changing your surroundings is easy, but maintaining the excitement of newness is more challenging.The secret to a fresh, enthusiastic life isn't constantly doing new things, but viewing everything with new eyes, insights, and perspectives.Good morning and a blessed Tuesday.

2 IAS अधिकारियों और 1 SAS अधिकारी के खिलाफ एक और FIR

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाले में जेल में बंद निलंबित 2 IAS अधिकारियों और 1 SAS अधिकारी के खिलाफ एक और स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार सस्पेंडेड IAS अधिकारी समीर विश्नोई और रानू साहू औरU SAS अधिकारी सौम्या चौरसिया के खिलाफ EOW और ACB ने एक नया मामला दर्ज किया है.तीनों अधिकारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में अलग-अलग FIR दर्ज की गई है. बता दे कि IAS अधिकारी रानू साहू, सीईओ नगर पालिक निगम बिलासपुर, कलेक्टर, बालोद, कलेक्टर कोरबा एवं कलेक्टर रायगढ़ के अलावा संचालक कृषि विभाग के पद पर पदस्थ रहीं है. बताया गया है कि यह FIR ऐसे समय में सार्वजनिक हुई है, जब सोमवार को ही IAS रानू साहू को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी है.

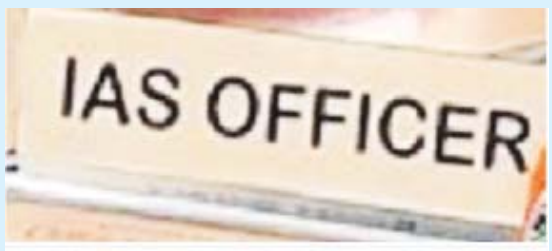

महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण के लिए वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म व ट्रांसयूनियन सिबिल ने शुरू किया प्रोग्राम सहर

मुंबई ¬वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) और ट्रांसयूनियन सिबिल की ओर से आज शुरू किया गया ऋण शिक्षा कार्यक्रम %सहर% (एसईएचईआर) भारत में महिला उद्यमियों को फ़ाइनेंस से जुड़ी शिक्षा और समझ देने के साथ व्यावसायिक कौशल से लैस करेगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था का विकास होगा और रोजगार बढ़ाने के लिए आवश्यक वित्तीय साधनों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) नीति आयोग द्वारा विकसित एक पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप प्लेटफॉर्म है और इसका उद्देश्य भारत में महिला उद्यमियों के लिए एक इकोसिस्टम तैयार करना है। यह कार्यक्रम डब्ल्यूईपी के फाइनेंसिंग वूमेन कोलैबोरेटिव (एफडब्ल्यूसी) का हिस्सा है, जो महिला उद्यमियों के लिए फाइनेंस तक पहुंच में तेजी लाने के उद्देश्य से अपनी तरह की नई पहल है। सहर कार्यक्रम का शुभारंभ वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) की मिशन डायरेक्टर और नीति आयोग की प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर अन्ना रॉय ने वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस सर्विस (डीएफएस) के डायरेक्टर (वित्तीय समावेशन) जितेंद्र असाटी, इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के चीफ एग्जीक्यूटिव सुनील मेहता, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नीरज निगम, एमएसएमई मंत्रालय की जॉइंट सेकेटरी मर्सी एपाओ और ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ राजेश कुमार की मौजूदगी में किया।

सुनील शेट्टी ने बीएसएफ जवानों और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ पौधा रोपा

इंदौर। परफ्यूम ब्रांड के प्रमोशन के लिए इंदौर पहुंचे अभिनेता सुनील शेट्टी ने रेवती रेंज में बीएसएफ जवानों और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ पौधरोपण किया। गौरतलब है मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर में 51 लाख पेड़ लगा रहे है।

इस अवसर पर मंत्री विजयवर्गीय के साथ बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता सुनील शेट्टी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में भागीदारी करते हुए बीएसएफ परिसर में पौधरोपण किया। गौरतलब है कि इंदौर में एक हफ्ते में 51 लाख पौधे रोपने का संकल्प लिया गया है। इसी के तहत हर दिन बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है। इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, राजेंद्र राठौर जी सहित बड़ी संख्या में जवानों और आम लोगों की उपस्थिति रही।

सुनील शेट्टी ने अभियान की सराहना करते हुए मंत्री विजयवर्गीय को इस आयोजन की शुभकामनाएं दी। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा की क्लीन इंदौर को ग्रीन इंदौर बनाने की दिशा में हम कदम बढ़ा रहे है। इस अभियान में इंदौर 51 लाख पौधे रोपकर कीर्तिमान बनाएगा। इंदौर का हर नागरिक इसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहा हैं।

सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड ने दिल्ली में सोलर-पावर्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन के साथ ग्रीन पुश का नेतृत्व किया

नई दिल्ली ¬ भारत के सर्वोच्च सोलर आर्गेनाइजेशन, नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (ह्रस्श्वस्नढ्ढ) के सहयोग से, ईवी चार्जर और सोलर सॉल्यूशंस के लीडिंग मैन्युफैक्चरर, सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड (ह्रस्श्व¬ स्श्वक्र ङ्कह्लञ्जश्वष्ट॥) ने दिल्ली के पहले ग्रिड-कनेक्टेड सोलर-पावर्ड ईवी चार्जिंग कारपोर्ट का उद्घाटन किया है। हौज़ खास विलेज पार्किंग स्टेशन पर एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में स्थापित यह सोलर-पावर्ड ईवी चार्जिंग कारपोर्ट, सस्टेनेबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल इंफ्रास्ट्रक्चर में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। सर्वोटेक ने कारपोर्ट स्थापित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सोलर पैनल्स और ईवी चार्जर्स को मैन्युफैक्चर, डिज़ाइन और कमिशन्ड किया है। इसके अतिरिक्त, सर्वोटेक कारपोर्ट के लिए सारे इंफ्रास्ट्रक्चर को डिज़ाइन और कार्यान्वित करने के लिए जिम्मेदार रहा है।

भारत और भूटान में जर्मन राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, उन्होंने

श्री रमन भाटिया (फाउंडर और एमडी, सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड) श्री अमरजीत सिंह (सीईओ, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड) श्री चिंतन शाह, (प्रधान सलाहकार, एनएसईएफआई) और श्री सुब्रमण्यम पुलिपका, (सीईओ, एनएसईएफआई) की उपस्थिति में सोलर-पावर्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। यह पहल बीएसईएस (क्चस्श्वस्) और दिल्ली नगर निगम (रूष्ठ) के द्वारा नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (ह्रस्श्वस्नढ्ढ) और बुंडेसवरबैंड सोलरवार्टशाफ्ट ई.वी. (क्चस्ङ्ख) के बीच एक कोलैबोरेशन है। सोलर-पावर्ड ईवी चार्जिंग कारपोर्ट की स्थापना केवीपी (चङ्कक्क) प्रोजेक्ट फ्रेमवर्क के तहत की गई थी। केवीपी (चङ्कक्क) प्रोजेक्ट को जर्मन फेडरल मिनिस्ट्री फॉर इकनॉमिक कॉर्पोरेशन एंड डेवलपमेंट (क्चरून्) की बिज़नेस मेंबरशिप ऑर्गेनाइजेशन पार्टनरशिप के हिस्से के रूप में जर्मन नॉन-प्रॉफिट कंपनी सेक्वा जीएमबीएच (स्द्गह्नह्वड्ड त्नद्बड्ढ॥) द्वारा समर्थित किया गया है।

चलो मोबिलिटी बीसीएलएल और यात्रियों के लिए निष्ठापूर्वक सेवा प्रदान करने को तैयार

भोपाल ¬हाल ही में भोपाल में हुए बस सेवाओं के रद्द होने के प्रकरण पर, चलो मोबिलिटी, जो इन बसों के लिए टिकटिंग और संचालन कार्य के लिए जिम्मेदार है, ने एक बयान जारी किया है।कंपनी ने हमेशा से यह लक्ष्य रखा है कि भोपाल सहित अन्य क्षेत्रों में सुगम बस यात्रा प्रदान की जाए, जिसे बीसीएलएल के सहयोग से किया जाता है, लेकिन वर्तमान में इसका अनुबंध वित्तीय रूप से असंभव हो गया है, जिसके कारण चलो को अपनी सेवाओं को बंद करना पड़ा।चलो द्वारा बसों का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा था , ततुपरांत सीएनजी बसों को हमारे ही मार्गों पर संचालित होने लगी एवं कोविड के पूर्व में संचालित हो रहे गवर्नमेंट पासेस भी शुरू नहीं हुए।जिन कारणों से हमे अध्याधीक वित्तीय हनियो का सामना करते हुए बसों का संचालन बंद करना पड़ा। कई महीनों तक नुकसान का सामना करने के बावजूद, चलो मोबिलिटी ने बीसीएलएल के साथ संवाद करते हुए एक और व्यावसायिक अनुबंध मूल्य (प्रति किलोमीटर लागत) के लिए व्यावहारिक समाधान की उम्मीद से अपनी सेवाओं को जारी रखा।दुर्भाग्य से, इन वार्तालापों ने अभी तक कोई समाधान प्रस्तुत नहीं किया है, जिसके कारण चलो मोबिलिटी को वित्तीय हनियो के कारण सेवाओं को बंद करना पड़ा।सेवाओं के बंद होने की सूचना देने वाला पहला पत्र दिसंबर 2023 में भेजा गया था,लेकिन चलो ने अपनी सेवाओं को छःमहीने से भी अधिक तक का संचालन करते रहे और उम्मीद की थी कि इन वार्तालाप से कुछ समाधान मिलेगा।चलो मोबिलिटी द्वारा पक्ष रखा है कि वह बीसीएलएल और यात्रियों का समर्थन करने के लिए निष्ठापूर्वक सेवा प्रदान करती रही है और उम्मीद करती है कि वह शीघ्र ही बीसीएलएल टीम के साथ संबंधित एक समझौते तक पहुँच पाएगी, ताकि वह अपनी सेवाओं को सफलतापूर्वक जारी रख सके।

ABVP स्थापना दिवस आजः संगठन ने मध्य प्रदेश को दिया आज का नेतृत्व, जानें कैसे हुई थी स्थापना

9 जुलाई आज ही के दिन 1949 में दुनिया के सबसे बड़े छात्र संगठन- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) की स्थापना हुई थी। ज्ञान, शील और एकता के नारे से बने इस संगठन ने मध्य प्रदेश सहित भारत की राजनीति में नेतृत्व प्रदान करने का काम किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव हों या पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्र में गृह मंत्री अमित शाह हों या फिर राजनाथ सिंह, सभी खुद को एबीवीपी की ही देन बताते हैं।

एबीवीपी एक छात्र संगठन के तौर पर खुद को बीजेपी से अलग बताता है। हालांकि इसके आरएसएस से जुड़ाव और बीजेपी के नेतृत्व में एबीवीपी से जुड़े नेताओं की उपस्थिति, इस छात्र संगठन को बीजेपी से जोड़कर देखती है।

कैसे हुई एबीवीपी की स्थापना ?

9 जुलाई 1949 को ABVP की स्थापना हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता बलराज मधोक (Balraj Modhak) की अगुवाई में यह छात्र संगठन बना। देश की आजादी के बाद भारत की प्राचीन परंपरा को बनाए रखने इस छात्र संगठन का गठन हुआ था।

ABVP ने देशभर के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों को जोड़ने का काम किया। आजादी के बाद राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए इस संगठन ने कई क्षेत्रों में छात्रों के जरिए काम करना शुरू किया।

कौन थे बलराज मधोक ?

ABVP के संस्थापक बलराज मधोक का जन्म पाकिस्तान के गिलगित- बल्तिस्तान में हुआ था। वे अपने छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़ गए थे। बलराज मधोक राजनीति से लेकर आंदोलनकारियों में एक बड़ा नाम हैं।

बलराज मधोक

एबीवीपी के संस्थापक रहने के अलावा, वे भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे जम्मू कश्मीर प्रजा परिषद के संस्थापक और मंत्री भी थे। बलराज मधोक दो बार लोकसभा के सदस्य भी निर्वाचित हुए हैं। मधोक अपनी बात स्पष्टता से बोलने में यकीन रखते थे। 1960 के दशक में उन्होंने गौ हत्या के विरोध में भी आंदोलन चलाया था।

एबीवीपी के उद्देश्य

एबीवीपी की स्थापना कुछ खास उद्देश्यों के लिए हुई थी। संगठन आज भी उन उद्देश्यों पर चलता है। एबीवीपी के मुख्य उद्देश्य-

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है।

विद्यार्थी परिषद के अनुसार, छात्रशक्ति ही राष्ट्रशक्ति होती है।

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए छात्रों में राष्ट्रवादी चिंतन को जगाना है।

देश की युवा छात्र शक्ति का यह प्रतिनिधि संगठन बनना।.

भारत के नेतृत्व में एबीवीपी

भारतीय जनता पार्टी (BJP) के ज्यादातर कद्दावर नेताओं की राजनीति की शुरुआत एबीवीपी से ही हुई है। मौजूदा मोदी कैबिनेट के 56 मंत्रियों में से 24 ABVP से हैं। पिछले साल एबीवीपी के छात्र सम्मेलन में गृह मंत्री अमित शाह ने खुद को एबीवीपी का आर्गेनिक प्रोडक्ट बताया था। इसके अलावा 2014 के बाद से भाजपा के मुख्यमंत्रियों में 28 में से 16 अपने कॉलेज के दिनों में एबीवीपी का हिस्सा रह चुके हैं। इसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम भी शामिल हैं।

एबीवीपी ने मध्य प्रदेश को दिए कई कद्दावर नेता

डॉ. मोहन यादव

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में प्रदेश के विभिन्न पदों पर रहे, राष्ट्रीय महामंत्री के पद के दायित्वों का निर्वहन किया। माधव विज्ञान महाविद्यालय में वर्ष 1982 में डॉ. यादव छात्र संघ के संयुक्त सचिव तथा 1984 में छात्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

पहले कलेक्टर के बाप बन जाते थे पटवारी

CM मोहन यादव का ये बयान क्यों हो गया वायरल - Why did this statement of CM Dr. Mohan Yadav viral Patwari used to

शिवराज सिंह चौहान शिवराज सिंह चौहान भी एबीवीपी से उभरे नेता हैं। वे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े फिर एबीवीपी ज्वाइन किया। 1975 में उन्होंने अपना पहला चुनाव मॉडल हाई सेकेंडरी स्कूल के छात्र संघ अध्यक्ष का लड़ा था। इस चुनाव में चौहान की जीत भी हुई थी। इसके बाद इमरजेंसी लगने पर शिवराज सिंह चौहान को जेल भी जाना पड़ा।

BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे या फिर से सरकार आने पर केंद्रीय मंत्री? Shivraj Singh Chouhan ने खास इंटरव्यू में खोल दिए पत्ते - Shivraj Singh Chouhan Interview on The

प्रहलाद पटेल

मध्य प्रदेश की राजनीति के कद्दावर नेता प्रहलाद सिंह पटेल की राजनीति की शुरुआत भी एबीवीपी से ही हुई। वे जबलपुर सरकार विज्ञान महाविद्यालय में छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए थे।

कौन हैं Prahalad Singh Patel, जो माने जा रहे CM पद के प्रबल दावेदार।

नरेंद्र सिंह तोमर

मध्य प्रदेश विधानसभा के वर्तमान अध्यक्ष नरेंद्र सिंह की राजनीति भी छात्र संघ से शुरू हुई है। तोमर ने राजा मानसिंह कॉलेज में छात्रसंघ का चुनाव जीता था।

Narendra Singh Tomar Birthday¬ इस गांव में हुआ था कृषि मंत्री का जन्म, मुन्ना भैया के नाम से रहे हैं मशहूर - narendra singh tomar birthday narendra singh tomar political career Union

वीडी शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो विधायक वीडी शर्मा भी एबीवीपी से ही उभरे हैं। 90 के दशक में वे संगठन के मंत्री बनकर जबलपुर आए। यहां एबीवीपी का बड़ा नेटवर्क तैयार किया। वे एबीवीपी में प्रदेश, क्षेत्रीय संगठन मंत्री और दो बार राष्ट्रीय महामंत्री रहे।

Madhya Pradesh BJP state President vd sharma revealed the secret of his marriage। नानाजी देशमुख की सलाह और उमा भारती के प्रयास से हुई शादी, वीडी शर्मा ने खोले कुछ नर्ि?जी

इसके अलावा भी दर्जनों नेताओं की लंबी सूची है, जो इस छात्र संगठन से निकले हैं।

कैसे बना बड़ा संगठन ?

एबीवीपी आज भारत का ही नहीं, दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। बलराज मधोक द्वारा संगठन की स्थापना के बाद बॉम्बे यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यशवंतराज केरकर इसके मुख्य ऑर्गनाइजर बने। 1958 में यह पदभार संभालने के बाद उन्होंने संगठन को ऊंचा मुकाम दिलाने की शुरुआत की। इस दौरान संगठन के कई उद्देश्यों में से एक छात्रों में पनप रही वामपंथी विचारधारा को रोकना और दक्षिणपंथी विचारधारा का प्रचार-प्रसार था।

1974 में पटना से जय प्रकाश नारायण ने कुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन खड़ा किया। इस आंदोलन की अगुवाई एबीवीपी के छात्रों ने ही की। इस आंदोलन ने एबीवीपी की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

एबीवीपी ने 90 के दशक के मंडल आंदोलन में भी बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया।

लंबे समय तक चले राम मंदिर संघर्ष में भी एबीवीपी ने हिस्सा लिया। इस दौरान मंदिर निर्माण को लेकर कैंपेन चलाए गए, जिससे इस मुद्दे की ओर युवाओं को आकर्षित किया गया।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनावों में एबीवीपी की पहली जीत साल 1983 में हुई थी। 90 के दशक में इस संगठन की देशभर में 1100 ब्रांच थी।

2014 में एनडीए की सरकार आने के बाद एबीवीपी का और विस्तार हुआ। 2017 में एबीवीपी सदस्यों की संख्या 32 लाख थी। ऐसे आज ये दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन बन गया है।

कांग्रेस ने आदिवासियों को कभी आगे नहीं आने दिया, भाजपा उन्हें सम्मान दे रही हैः मुख्यमंत्री

कांग्रेस नेता हेलीकॉप्टर से घूमते हैं, सरकार गरीबों की जान बचाने हेलीकाप्टर चला रहीः डॉ. मोहन यादव, भाजपा के पक्ष में लहर चल रही है, भाजपा अमरवाड़ा में जीत का इतिहास रचेगी, अमरवाड़ा के हर खेत को पानी, हर हाथ को काम देने का कार्य करेगी भाजपा सरकार

छिंदवाड़ा। अमरवाड़ा में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अमरवाड़ा के हर खेत को पानी और हर हाथ को काम देने का कार्य भाजपा सरकार करेगी। कांग्रेस के नेता घूमने के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार गरीबों की जिंदगी बचाने के लिए पीएम श्री हेल्थ एंबुलेंस सेवा चला रही है। कांग्रेस ने आदिवासी महापुरुषों, क्रांतिवीरों को कभी सम्मान नहीं दिया, भाजपा सरकार भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में आदिवासी गौरव दिवस मना रही है। जनसभा को प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, सांसद विवेक बंटी साहू एवं पार्टी प्रत्याशी कमलेश शाह ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आप सभी लोगों की उपस्थिति और चेहरे की चमक बता रही है कि यहां भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में लहर चल रही है। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की पूरी जनता भाजपा के साथ है, यहां हमारी पार्टी को कोई नहीं हरा सकता है।

आदिवासी महापुरूषों को सम्मान उनकी वीरता की गाथाएं छात्रों को पढ़ाई जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार गरीब कल्याण के कार्य कर रही है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने 3 करोड़ पीएम आवास बनाने को मंजूरी प्रदान की है। अमरवाड़ा क्षेत्र में जिन गरीबों के पास पक्के मकान नहीं हैं, उन सभी को पीएम आवास के तहत पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे। अंग्रेजों को धूल चटाने वाले आदिवासी जननायक भगवान बिरसा मुंडा की वीरता को कांग्रेस ने कभी जनता के सामने नहीं आने दिया। हमारे प्रदेश के क्रांतिवीर जननायक टंट्या मामा के वीरता को भी जनता के सामने नहीं आने दिया। वीरांगना रानी दुर्गावती, अवंती बाई लोधी की वीरता को भी जनता को नहीं बताया गया। लेकिन नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार आदिवासी महापुरुषों को सम्मान देने का कार्य कर रही है। हमारी सरकार 2 करोड़ की लागत से जबलपुर में रानी दुर्गावती का स्मारक बनवा रही है। खरगौन विश्वविद्यालय का नाम टंट्या मामा भील के नाम पर किया गया है। राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह को भी भाजपा सरकार ने सम्मान देने का कार्य किया है। भाजपा सरकार आदिवासी वीर महापुरूषों की वीरता को स्कूली छात्रों को पाठ्यक्रमों में शामिल करेगी।

अमरवाड़ा क्षेत्र में सिंचाई परियोजना के साथ पीजी कॉलेज खुलेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरवाड़ा क्षेत्र में पीने के पानी के साथ सबसे बड़ी समस्या सिंचाई के लिए पानी की है। इस क्षेत्र में नदियों को जोड़कर, बड़े बांध बनाकर हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जाएगा। इस क्षेत्र में पीजी कॉलेज भी खोला जाएगा। आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की नौकरी के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। इस क्षेत्र के लोगों को रोजगार के साधन भी भाजपा सरकार उपलब्ध करा रही है। खेती के साथ पशुपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्व. मनमोहन शाह बट्टी के निवास गया था, बगिया में उनकी समाधि स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि स्व. मनमोहन शाह बट्टी के सभी सपनों और अधूरे कार्यों को भाजपा सरकार पूरा करेगी। स्व. मनमोहन शाह बट्टी आज जहां कहीं भी हैं, वे हमें और भाजपा को आशीर्वाद दे रहे हैं।

आपका एक वोट अमरवाड़ा में विकास के कीर्तिमान स्थापित करेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आप सभी का एक वोट इस क्षेत्र के विकास को गति देगा। 10 जुलाई को प्रातः 7 बजे आप सभी अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी को अपना वोट रूपी आशीर्वाद प्रदान करें, भाजपा सरकार इस क्षेत्र में विकास में चार चांद लगाएगी। आपका एक वोट इस क्षेत्र के विकास को गति देगा। कांग्रेस नेता हमेशा झूठ फैलाते हैं, उनके झूठ के चंगुल में नहीं फंसना है। कांग्रेस के छिंदवाड़ा से कमलनाथ करीब 40 साल तक सांसद रहे, लेकिन अमरवाड़ा क्षेत्र में सिंचाई और रोजगार के लिए कोई कार्य नहीं किया है। आप सभी भाजपा के प्रत्याशी कमलेश शाह को वोट देकर ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं, भाजपा सरकार विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

मुख्यमंत्री के समक्ष कांग्रेस नेताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

अमरवाड़ा में जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष अमरवाड़ा यादव महासभा के अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता संजय यादव ने अपने सैकड़ों समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। यादव के साथ धनमान उइके, कन्हैया उइके, मनोज उइके, मनीराम उइके, सिराजलाल भलावी, कोदूलाल भलावी, श्रीमती कुसुम लाल इनवाती सहित अन्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया और कहा कि आप एक राजनीतिक दल में नहीं बल्कि परिवार में शामिल हुए हैं। आज से आप सभी भाजपा परिवार के सदस्य हैं।

इस अवसर पर केबिनेट मंत्री संपतिया उईके, सांसद श्री बंटी विवेक साहू, प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप अहिरवार, विधायक दिनेश राय मुनमुन, भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, प्रदेश प्रवक्ता अजय ढबले, जिला संगठन प्रभारी संतोष पारिक, पूर्व विधायक नानाभाऊ मोहोड़, जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, सुश्री मोनिका बट्टी, उत्तम ठाकुर, शैलेन्द्र पटेल, संतोष यादव, विनोद चन्द्रवंशी, राजेश डेहरिया, सोनू सरसवार, सुमित गुप्ता, पवन बंजारा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमरवाड़ा उपचुनाव प्रचार थमा

त्रिकोणीय संघर्ष

गोविन्द चौरसिया

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा के उप चुनाव का चुनाव प्रचार थम गया है, बुधवार 10 जुलाई को मतदान होगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जोर लगाया है। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सांसद विवेक बंटी साहू एवं कांग्रेस की ओर से कमलनाथ, नकुलनाथ एवं प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी चुनाव प्रचार में लगे थे। अमरवाड़ा उप चुनाव में त्रिकोणी संघर्ष है, भाजपा और कांग्रेस के अलावा गोंडवाना गणतंत्र और कांग्रेस के बीच होगा

भाजपा सत्ता में है और उसका पड़ला भारी है, आम मतदाताओं को समझ आ रहा है कि विकास तो डबल इंजन की सरकार ही करेगी।

कांग्रेस यहा अकेली पड़ गई है। कांग्रेस में जो भगदड़ मंची है उससे वह कमजोर हो गई है। कांग्रेस प्रत्याशी आंचल कुण्ड दरबार का प्रत्याशी है कांग्रेस ने भावनात्मक कार्ड खेला है, बटकाखापा क्षेत्र के 40 बूथों पर उनका प्रभाव उसका फायदा कांग्रेस को मिलेगा।

भाजपा को पता है इसीलिए आखरी दिन मुख्यमंत्री ने वहां पर धुआंधार प्रचार कर आम सभायें की। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के देवरावेन भी अच्छे खासे वोट लेगे किन्तु वे जीतने की स्थिति में नहीं है। कुल मिलाकर भाजपा का पड़ला भारी है।

क्षेत्र में यह भी चर्चा जमकर चल रही है कि भाजपा के कमलेश शाह जीतेंगे तो वे मंत्री बनेगें जिससे क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। अमरवाड़ा क्षेत्र पूर्व में प्रेमनारायण ठाकुर मंत्री रहे है।उसके बाद का नम्बर है जो क्षेत्र से मंत्री बनेंगे। 13 जुलाई को रिजल्ट आयेगा।

छिंदवाड़ा जिले की प्रभारी मंत्री रहेगी सम्पतिया उईके

छिंदवाड़ा। पी.ए.एच. मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके छिंदवाड़ा जिले की प्रभारी मंत्री रहेगी, उक्त घोषणा मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आम सभा में की।

मुख्यमंत्री का पूर्व मंत्री प्रेम नारायण ठाकुर ने किया स्वागत

छिंदवाड़ा। अमरवाड़ा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेम नारायण ठाकुर से मुलाकात की इस दौरान उन्होंने अमरवाड़ा के विकास को लेकर भी चर्चा की इस अवसर पर प्रेम नारायण ठाकुर के पुत्र उत्तम ठाकुर और उनके समर्थक मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने भूलवश उत्तम ठाकुर के पिता स्व. प्रेमनारायण ठाकुर कह दिया बाद में उन्होने अपनी गलती सुधारी।

केन्द्र में मोदी और प्रदेश में डॉ. मोहन यादव की सरकार में ही अमरवाड़ा का विकास हो सकता हैं: बंटी साहू

छिंदवाड़ा। अमरवाड़ा, बटकाखापा आमसभा को संबोधित करते हुए बंटी विवेक साहू ने कहा कि छिंदवाड़ा के विकास के लिए बगैर मांगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बहुत कुछ दिया हैं। मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए 100 करोड़ दिए, सड़कों के लिए 300 करोड़ की स्वीकृति दी, स्कूलों की स्वीकृति मिली आने वाले समय में विकास के लिए और भी राशि मिलेगी। बंटी विवेक साहू जी ने कहा कि अगर अमरवाड़ा और बटकाखापा में विकास हो सकता हैं। तो वह केन्द्र में मोदी जी और प्रदेश में डॉ. मोहन यादव जी की सरकार में ही संभव हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी आयेंगे बरगलाएंगे, झूठ बोलेंगे लेकिन सबसे बड़ा मुद्दा अमरवाड़ा विधानसभा के विकास का हैं। इसलिए आने वाली 10 तारीख को भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह जी को भारी मतों से विजयी बनायें। बंटी विवेक साहू ने कहा की प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार और प्रदेश की डॉ. मोहन यादव जी की सरकार में आदिवासी महा पुरूषों को सम्मान देने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री, सांसद ने बजाया ढोल मंजीरा

बटकाखापा में आमसभा में पहुंचते ही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आदिवासियों ने ढोल धमाके के साथ स्वागत किया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और सांसद श्री बंटी विवेक साहू अपने आप को रोक नहीं पाए मुख्यमंत्री जी ने मंजीरा अपने हाथ में लिया और बजाने लगे साथ में ढोल पकड़कर सांसद ने भी बजाना शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व सांसद बंटी विवेक साहू ने आदिवासी धर्मगुरूओं का शाल श्रीफल से सम्मान किया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं सांसद बंटी विवेक साहू ने आमसभा के दौरान आदिवासी धर्मगुरूओं का शाल श्रीफल से सम्मान किया।

वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश नयन विश्व साहित्य सम्मान से हुये सम्मानित

छिन्दवाड़ा। माधवराव सप्रे संग्रहालय भोपाल के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर के मुख्य आतिथ्य, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति और भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक आचार्य डॉ.संजय द्विवेदी के सारस्वत आतिथ्य और नालंदा महाविहार बिहार के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ.विजय कर्ण के विशेष आतिथ्य में गत दिवस गांधी भवन भोपाल में निर्दलीय प्रकाशन और जन संगठन दृष्टि भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में निर्दलीय प्रकाशन का 51वां वार्षिकोत्सव सह साहित्योत्सव संपन्न हुआ। इस वृहद कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश नयन विश्व साहित्य सम्मान से सम्मानित हुये। इसके अलावा जिले के वरिष्ठ शायर अजमेरा मयकश और छिन्दवाड़ा जिले के एवं भोपाल में निवासरत वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.गोपेश वाजपेयी व चरणजीत सिंह कुकरेजा भी सम्मानित किये गये। इसी प्रकार पांढुर्णा जिले के सौंसर के वरिष्ठ पत्रकार श्री हंसराज बारसकर, साहित्यकार श्री शेषराव गणपतराव कंटक एवं पूर्व सैनिक व सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कलसकर राष्ट्रीय शिखर सम्मान से सम्मानित हुये। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 6 आभासी अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मान, 16 राष्ट्रीय शिखर सम्मान और 51 साहित्यकार, शिक्षाविद और समाजसेवी विश्व साहित्य सम्मान से सम्मानित किये गये। निर्दलीय प्रकाशन के संस्थापक संपादक कैलाश श्रीवास्तव आदमी और संपादक प्रिंस अभिषेक अज्ञानी के अथक परिश्रम और संयोजन में लगभग 18 राज्यों के साहित्यकारों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। 9 सत्रीय इस कार्यक्रम में उद्घाटन व परिचय सत्र, संत साहित्य व्याख्यान माला, राष्ट्रीय शिखर सम्मान व विश्व साहित्य सम्मान, साहित्य, शिक्षा व भाषा विमर्श, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और गीत संगीत के कार्यक्रम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे। छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले के साहित्यकारों का विश्व साहित्य सम्मान और राष्ट्रीय शिखर सम्मान प्रदाय किये जाने पर दोनों जिलों के अन्य साहित्यकारों और परिजनों ने सभी साहित्यकारों को बधाई और शुभकामनायें दी हैं।

आरईएस के दोनों डिविजन का चार्ज कविता पटवा के पास

छिंदवाड़ा। ग्रामीण यान्त्रिकी विभाग के दो डिविजन है दोनों डिविजन का चार्ज इंजीनियर कविता पटवा के पास है, इसके पहले इंजीनियर सनोडिया को यहां से हटा दिया गया है। एक डिविजन खाली है जिसमें कई इंजीनियर आने को लगे है।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी का भ्रमण कार्यक्रम

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा जिले के सभी पूर्व सैनिकों/विधवाओं एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिये आगामी 10 जुलाई 2024 को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (से.नि.) लेफ्टिनेंट कर्नल जया जेवियर दोपहर 12 बजे से 1:30 बजे तक पी.डब्ल्यू.डी. विश्राम भवन के सभाकक्ष में उपस्थित रहेगी। जिसमें अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों/विधवाओं/आश्रितों को आगामी 28 जुलाई 2024 को छिंदवाड़ा में होने वाले जिला स्तरीय पूर्व सैनिक सम्मेलन के बारे में अवगत कराया जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (से.नि.) लेफ्टिनेंट कर्नल जया जेवियर ने सभी पूर्व सैनिकों/ विधवाओं एवं उनके आश्रितों से अनुरोध किया है कि वे अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से सैनिक सम्मेलन में प्रस्तुत कर सकते हैं।

शांति समिति की बैठक का आयोजन 11 जुलाई को

छिन्दवाड़ा। जिले में 17 जुलाई 2024 को मोहर्रम पर्व शांति व सद्भावनापूर्वक मनाये जाने की दृष्टि से विचार-विमर्श के लिये 11 जुलाई 2024 गुरूवार को शाम 5 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। जिला प्रशासन द्वारा समिति के सभी सदस्यों से इस बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया गया है।

मछली बाजार से 40 किलो मत्स्य जप्त

छिन्दवाड़ा। शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह द्वारा वर्षा ऋतु में 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक मत्स्याखेट,मत्स्य विक्रय व परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर श्री सिंह के आदेश के परिपालन में मत्स्य विभाग द्वारा गठित जांच दल ने आज छिंदवाड़ा शहर के मुख्य मछली बाजार में चैकिंग की गई एवं अवैधानिक मत्स्य विक्रय का कार्य करते हुए मत्स्य विक्रेता पाये जाने पर 40 किलो मत्स्य जप्त की गई, जिसकी नीलामी से प्राप्त 2500 रूपये की राशि शासकीय कोष में जमा की जा रही है। गठित जांच दल में सहायक मत्स्योघोग अधिकारी श्री संजय आम्बोलिकर, सहायक मत्स्योघोग अधिकारी श्री एस.एस.मरकाम, मत्स्य निरीक्षक श्री अनिल कुमार राउत एवं अन्य विभागीय अमला शामिल था। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार विभाग द्वारा सतत् कार्यवाही की जा रही है।

बंद पड़े सार्वजनिक रास्ते को खुलवाया

सांध्य प्रकाश, विदिशा। नटेरन तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम खाईखेड़ा में गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा आम रास्ते को करीब 6 महीने पहले बंद कर दिया था। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने तहसीलदार आनंद जैन से की थी। ग्रामीणों की शिकायत पर सोमवार को तहसीलदार आनंद जैन अपनी टीम के साथ गांव खाईखेड़ा पहुंचे और 6 महीने से बंद सार्वजनिक रास्ते को खुलवाया।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा 6 महीने पहले सार्वजनिक रास्ते को बंद कर दिया था। आम रास्ते के बंद हो जाने से यहां से गुजरने वाले कई परिवारों को परेशानी हो रही थी। गर्मी के समय में तो ग्रामीणों ने बंद रास्ते से निकलना बंद कर दिया, लेकिन बारिश का दौर शुरू हो गया है। जिस वजह से इन परिवारों के लिए घर पहुंचने का आम रास्ता जो पिछले 6 महीने से बंद था। उसके कारण ग्रामीणों को कीचड़ भरे रास्ते से घर आना-जाना करना पड़ता था। जिससे सभी लोगों को परेशानी हो रही थी।

कुछ दिनों पहले ग्रामीणों ने एक राय होकर सार्वजनिक आम रास्ते को खुलवाने की मांग का एक ज्ञापन तहसीलदार आनंद जैन को दिया। उक्त आवेदन में दर्ज समस्या को संज्ञान में लेते हुए सोमवार को तहसीलदार आनंद जैन ने बंद रास्ते को खुलवा दिया। हालांकि इस दौरान रास्ता बंद करने वाले व्यक्ति ने बताया कि सड़क उनकी जमीन से गुजरी है। इसलिए उन्होंने रास्ता बंद किया है। जबकि ग्रामीणों का कहना था कि पंचायत की ओर से इस रोड को सीसी किया गया है। वहीं तहसीलदार आनंद जैन ने कहा कि आप जांच का आवेदन दें, जांच के बाद समस्या का हल किया जाएगा। इस तरह से रास्ता बंद नहीं कर सकते अब रास्ता बंद किया तो कार्रवाई हो जाएगी।

युवक ने की आत्महत्या

सांध्य प्रकाश, विदिशा। सोमवार की सुबह कलेक्टोरेट के पीछे रेलवे ट्रैक पर कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक का शव क्षत-विक्षत हालत में पड़ा था। मृतक युवक की पहचान सांची निवासी बंटी लोधी के रूप में की गई। पुलिस की सूचना पर परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां बताया गया कि मृतक ने आत्महत्या करने से पहले सुसाइड नोट भी लिखा था और उसे सोशल मीडिया पर भी डाला था जो उसके मोबाइल में भी है और डायरी घर पर मौजूद है। जिला अस्पताल में मृतक का पीएम कराया गया। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले में पीएम कराकर मामले की जांच की जा रही है।

बाबा जंगी सैयद कमेटी के अध्यक्ष बने केश पठान

सांध्य प्रकाश, विदिशा। बाबा जंगी सैयद कमेटी का मशवरा रखा गया। मशवरे में सभी नौजवान साथी एवं कमेटी के मेम्बरान की सहमति से बाबा जंगी सैय्यद कमेटी के अध्यक्ष केश पठान, उपाध्यक्ष इमरान खान को बनाया गया। मशवरे में सभी नौजवान साथी एवं कमेटी के मेम्बरान मौजूद थे। सरपरस्त राजा भाई, नदीम बाबा, शरीफ भाई, शाहिद भाई वारसी, गुड्डू भाई, फहीम भाई, असलम पटेल, अन्नू भाई, नवाब भाई, मुबीन भाई, अजीज भाई, अरविंद भाई, गुलफाम भाई, दिनेश भाई, प्रदीप भाई, ताजवर भाई, शाहरुख पठान, सरफ़राज़, अलीम, उमर, शानू, अदीब, अदनान, सोहिल बाबा, अनस पठान, नन्नू पठान, फेस पठान, कल्लू पठान, शोएब खान, नोमान बाबा, फरहान भाई, असद पठान मौजूद थे।

जन और जनजातीय संस्कृति के विकास में अव्वल मध्यप्रदेश

छिन्दवाड़ा। जनजातीय वर्ग के समग्र विकास के लिये राज्य सरकार बेहद संवेदनशील है। इस वर्ग के लिये सरकार की संवेदनशीलता इसी तथ्य से परिलक्षित होती है कि सालाना बजट 2024-25 में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति (उप योजना) के लिये 40 हजार 804 करोड़ रूपये बजट आवंटित किया गया है। यह बजट वर्ष 2023-24 से 3 हजार 856 करोड़ रूपये (करीब 23.4 प्रतिशत) अधिक है।

जैसीनगर में आयोजित रोजगार मेले में सैकड़ों युवा हुए शामिल

युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए मैं लगातार प्रयास करता रहूंगाः आकाश राजपूत

सागर। जैसीनगर में आजीविका मिशन द्वारा आयोजित रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें सुरखी विधानसभा सहित आसपास के क्षेत्र के सैकड़ों युवा पहुंचे। इस रोजगार मेले में प्रदेश सहित देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां शामिल हुई। जहां युवाओं ने अपनी योग्यता अनुसार कंपनियों में कागजात जमा कर इंटरव्यू दिए। इस अवसर पर युवाओं का उत्साह वर्धन करने पहुंचे आकाश सिंह राजपूत ने कहा कि हर युवा को रोजगार मिले इसके लिए मैं लगातार प्रयास करता रहूंगा। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में रोजगार को लेकर हमेशा ही देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां बुलाई जाती हैं और युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाते हैं। आकाश सिंह राजपूत ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार रोजगार के लिए नई-नई पहल करते हैं जिससे देश के युवाओं को रोजगार मिल रहा है और उद्योग धंधों तथा प्रशिक्षण के द्वारा युवा खुद भी रोजगार देने के काबिल बना रहे हैं। आकाश सिंह राजपूत ने युवाओं का आवाहन करते हुए कहा कि हर युवा में कोई ना कोई प्रतिभा होती है उसे जरूर निखारें, हो सकता है यही प्रतिभा आपके रोजगार व आजीविका का सशक्त साधन बन सकती है। इसलिए अपनी प्रतिभा को उभारते हुए रोजगार के अवसर तालासें। गौरतलब है कि आकाश सिंह राजपूत ने पिछले वर्ष 18 कंपनियों को अपने क्षेत्र में युवाओं को रोजगार देने के लिए बुलाया था जिसमें हजारों युवाओं को रोजगार मिला था। आकाश सिंह राजपूत फिल्मी दुनिया को छोड़कर अब जन सेवा में लगे हुए हैं जो कभी रोजगार मेला, कभी ग्रीन वॉरियर बनकर तो कभी खेल की दुनिया में खिलाड़ियों को मंच देकर जन सेवा कर रहे हैं। इस जन सेवा में आकाश सिंह राजपूत के साथ उनके साथी तथा सभी संगठन सहयोग कर रहे हैं। जैसीनगर के जनपद पंचायत मंगल भवन प्रांगण में आयोजित रोजगार मेले में अगिले सिक्योरिटी फोर्स प्राइवेट लिमिटेड और नव किसान बायोटेक प्लांट टेक लिमिटेड कंपनियों ने सहभागिता की। जिसमें सैकड़ों युवाओं ने पंजीयन कराया। जिनमें से इसराइल सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद, नव किसान बायोटेक प्लांट टेक लिमिटेड लिमिटेड में सैकड़ों युवाओं का चयन किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष रामबाबू सिंह, मंडल अध्यक्ष हरनाम सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष जिला अध्यक्ष धीरज सिंह ठाकुर, जनपद सदस्य वरिष्ठ भाजपा नेता छतर सिंह, सरपंच नंदलाल, जिला प्रबंधक समीर दीक्षित, विकासखंड प्रबंधक जितेश पाल जैन, सहायक विकासखंड प्रबंधक देवेंद्र श्रीवास्तव, अशोक द्विवेदी, जनपद पंचायत सीईओ राम सोनी उपस्थित रहे।

ताप्ती विवाद पर पंडित प्रदीप मिश्रा ने लगाया पूर्ण विराम

मुल्ताई। विगत कई दिनों से चल रहे माँ ताप्ती जी पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई थी, जिसपर पंडित प्रदीप मिश्रा से विस्तार से चर्चा हुई जिसके उपरांत इस विवाद पर पूर्णविराम लगा। यह विवाद जब डॉ श्री हेमंत देशमुख के संज्ञान में आया तब उन्हने पंडित मिश्रा से संपर्क साध पूरे विषय के बारे विस्तार में बताया। जिसके उपरांत पंडित प्रदीप मिश्रा के आश्रम से कुबरेश्वर धाम आकर चर्चा करने का आमंत्रण दिया गया। आज कुबरेश्वर धाम, सीहोर में पंडित श्री विशु देशमुख, पंडित श्री सौरभ जोशी, पंडित श्री प्रवीण जोशी और डॉ श्री हेमंत देशमुख की माँ ताप्ती जी के विषयों पर पंडित श्री प्रदीप जी सौजन्य भेंट हुई एवं दोनों पक्षों ने इस विषय पर विस्तार से चर्चा कर विवाद का पटाक्षेप किया !पंडित श्री प्रदीप मिश्रा को 13 जुलाई को आयोजित होने जा रहे ताप्ती महोत्सव में आमंत्रित भी किया। पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा सभी बैतूल और मुलताई वासियो को माँ ताप्ती जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी।

भोपाल कलेक्टर ने किया अधिकारियों का कार्य विभागजन

कार्यालय कलेक्टर जिला–भोपाल (म0प्र0)

क्रमांक/667/राज0स्था0/2024 भोपाल, दिनांक 08/07/2024

//आदेश//

प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से कार्यालय कलेक्टर भोपाल में पदस्थ निम्नांकित रा.प्र.से. अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन किया जाता है:–

स.क.	अधिकारी का नाम एवं पदनाम	आंवटित कार्य
1	2	3
1	श्री रविशंकर राय संयुक्त कलेक्टर	1– अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसील कोलार 2– मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 34(ए) के तहत कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/शक्तियां अनुविभागीय अधिकारी, को प्रदत्त की जाती है। अनुविभागीय अधिकारी, अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगे। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– मध्यप्रदेश लोक परिसर/बेदखली अधिनियम 1974 की धारा (3) के अंतर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते हैं। 5– भू-अर्जन अधिकारी, तहसील कोलार। 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		1– अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कोलार क्षेत्र से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– कोलार 2– मिसरोद 3– कटारा 4– बागसेवनिया 5– शाहपुरा 6– हबीबगंज अन्य कार्य जो समय-समय पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा सौंपे जावेंगे।
2	श्री एल.के. खरे, संयुक्त कलेक्टर	1– अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी शहर वृत्त 2– म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 34(ए) के तहत् कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/ शक्तियां अ.वि.अ. को प्रदत्त किये जाते हैं। अ.वि.अ. अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगे। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– म.प्र. लोक परिसर (बेदखली) अधिनियम 1974 की धारा (3) के अन्तर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते हैं। 5– भू अर्जन अधिकारी नजूल शहर वृत्त 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		अनुविभागीय दण्डाधिकारी, शहर वृत्त से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– तलैया, 2– कोतवाली, 3– अरेरा हिल्स। 4– श्यामला हिल्स अन्य कार्य जो समय समय पर कलेक्टर एंव जिलादण्डाधिकारी द्वारा सौंपे जावें।
3	श्री दीपक पाण्डे, डिप्टी कलेक्टर	1– अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैरसिया 2– म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 34(ए) के तहत् कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/ शक्तियां अ.वि.अ. को प्रदत्त किये जाते है। अ.वि.अ. अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगे। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– म.प्र. लोक परिसर (बेदखली) अधिनियम 1974 की धारा (3) के अन्तर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते है। 5– भू अर्जन अधिकारी बैरसिया 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसील बैरसिया से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– बैरसिया, 2– नजीराबाद, 3– गुनगा अन्य कार्य जो समय समय पर कलेक्टर एंव जिलादण्डाधिकारी द्वारा सौंपे जावें।
4	श्री आदित्य जैन, संयुक्त कलेक्टर	1 – अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी संत हिरदाराम नगर बैरागढ वृत्त 2– म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 34(ए) के तहत् कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/ शक्तियां अ.वि.अ. को प्रदत्त किये जाते हैं। अ.वि.अ. अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगे। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– म.प्र. लोक परिसर (बेदखली) अधिनियम 1974 की धारा (3) के अन्तर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते है। 5– भू अर्जन अधिकारी नजूल संत हिरदाराम नगर बैरागढ वृत्त 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		अनुविभागीय दण्डाधिकारी, बैरागढ वृत्त से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– बैरागढ, 2– गांधी नगर, 3– गौतम नगर, 4– शाहजहांबाद, 5– टीलाजमालपुरा, 6– कोहेफिजा। अन्य कार्य जो समय समय पर कलेक्टर एंव जिलादण्डाधिकारी द्वारा सौंपे जावें।
5	श्रीमती अर्चना रावत शर्मा डिप्टी कलेक्टर	1– अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी टी0टी0नगर वृत्त 2– म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 34(ए)के तहत् कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/शक्तियां अ.वि.अ. को प्रदत्त किये जाते हैं। अ.वि.अ. अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगे। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– म.प्र. लोक परिसर (बेदखल) अधिनियम 1974 की धारा (3) के अन्तर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते हैं। 5– भू अर्जन अधिकारी नजूल टीटीनगर वृत्त। 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		अनुविभागीय दण्डाधिकारी, टी.टी नगर वृत्त से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– टी.टी.नगर 2– चूनाभटटी 3– कमला नगर अन्य कार्य जो समय समय पर कलेक्टर एंव जिलादण्डाधिकारी द्वारा सौंपे
6	श्री रविश श्रीवास्तव डिप्टी कलेक्टर	1– अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी गोविन्दपुरा वृत्त 2– म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा (3)के तहत् कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/शक्तियां अ.वि.अ. को प्रदत्त किये जाते हैं। अ.वि.अ. अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगें। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– म.प्र. लोक परिसर (बेदखल) अधिनियम 1974 की धारा (3) के अन्तर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते है। 5– भू अर्जन अधिकारी नजूल गोविन्दपुरा वृत्त। 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		अनुविभागीय दण्डाधिकारी, गोविन्दपुरा वृत्त से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– गोविन्दपुरा, 2– पिपलानी 3– अशोका गार्डन 4– अयोध्या नगर 5– आनंद नगर 6– निशातपुरा 7– छोला मंदिर 8– मेन स्टेशन जी.आर.पी. 9– स्टेशन बजरिया अन्य कार्य जो समय समय पर कलेक्टर एंव जिलादण्डाधिकारी द्वारा सौंपे जावें।
7	श्री विनोद सोनकिया डिप्टी कलेक्टर	1– अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी तहसील हुजूर, भोपाल 2– म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 34(ए)के तहत् कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/शक्तियां अ.वि.अ. को प्रदत्त किये जाते हैं। अ.वि.अ. अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगें। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– म.प्र. लोक परिसर (बेदखल) अधिनियम 1974 की धारा (3) के अन्तर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते है। 5– भू अर्जन अधिकारी तहसील हुजूर। 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसील हुजूर से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– सूखी सेवनिया 2– बिलखिरिया 3– खजूरी सड़क 4– परवलिया सड़क 5– रातीबड़ 6– ईंटखेड़ी अन्य कार्य जो समय समय पर कलेक्टर एंव जिलादण्डाधिकारी द्वारा सौंपे जावें।
8	श्री आशुतोष शर्मा डिप्टी कलेक्टर	1– अनुविभागीय अधिकारी/नजूल अधिकारी एम.पी.नगर वृत, भोपाल 2– म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 की धारा 34(ए)के तहत् कलेक्टर को प्रदत्त अधिकार/शक्तियां अ.वि.अ. को प्रदत्त किये जाते हैं। अ.वि.अ. अपने क्षेत्र के रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट रहेंगे। 3– अपने क्षेत्र के भाड़ा नियंत्रण अधिकारी। 4– म.प्र. लोक परिसर (बेदखल) अधिनियम 1974 की धारा (3) के अन्तर्गत अपने क्षेत्र के सक्षम अधिकारी नियुक्त किये जाते है। 5– भू अर्जन अधिकारी एम.पी.नगर वृत। 6– प्रभार की शाखाओं के लोक सूचना अधिकारी।
		अनुविभागीय दण्डाधिकारी, एम.पी.नगर से संबंधित सम्पूर्ण कार्य। थाना क्षेत्र– 1– एम.पी. नगर, 2– हरिजन कल्याण 3– अवधपुरी, 4– क्राइम ब्रॉच 5– बाग सेवनिया 6– अजाक्स 7– महिला अन्य कार्य जो समय समय पर कलेक्टर एंव जिलादण्डाधिकारी द्वारा सौंपे जावें।

आईएम आतंकी फैजान का फंडिंग कनेक्शन खंगाल रही एटीएस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एमपी एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के आतंकी फैजान शेख को खंडवा से गिरफ्तार किया है। आरोपी पांच दिन की रिमांड पर है। एटीएस मंगलवार को उसे रिमांड खत्म होने पर कोर्ट में पेश करेगी।

इस बीच रिमांड पर फैजान ने लगातार चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने 8 साल पहले भोपाल में हुए एनकाउंटर में मारे गए सिमी के 8 आतंकियों के परिजनों की आर्थिक मदद करने की बात स्वीकार की है। इतना ही नहीं उसने पश्चिम बंगाल की जेल में बंद आतंकी रकीब से मुलाकात भी की थी। वह देश के कई राज्यों में भ्रमण कर चुका है। एक विदेशी आतंकी संगठन से संपर्क में रहने की जानकारी भी उसने एटीएस को दी है। पेशे से मैकेनिक फैजान की फंडिंग कनेक्शन को एटीएस खंगाल रही है। उसके सहयोगियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

रकीब की गिरफ्तारी के बाद फैजान एक्टिव हुआ: एटीएस के आईजी डॉक्टर आशीष ने बताया कि रकीब की गिरफ्तारी के बाद फैजान एक्टिव हुआ था। हालांकि, वह ऐसा एक्टिव नहीं था जिससे उसकी पहचान हो जाए। वह पश्चिम बंगाल की जेल में बंद रकीब से मिलने भी पहुंचा था। जेल रिकार्ड में इस बात के प्रमाण मिले हैं।

फैजान पेशे से मैकेनिक है, इसके बाद भी वह एनकाउंटर में मारे जा चुके आतंकियों के परिजनों की आर्थिक मदद करता था। हालांकि वह बेहद मामूली रकम ही कई-कई महीनों के बीच आतंकियों के परिजनों को दिया करता था।

बम बनाने के तरीकों को करता था सर्च

फैजान के मोबाइल फोन की इंटरनेट हिस्ट्री में सैकड़ों बार बम बनाने के अलग-अलग तरीकों को सर्च करने की जानकारी मिली है। इन तरीकों को वह यू-ट्यूब पर सर्च करता था। विदेशी आतंकी संगठनों से उसके संपर्क की भी जांच की जा रही है। एटीएस की अब तक की जांच में फैजान की विदेश यात्रा के प्रमाण नहीं मिले हैं।

भोपाल। कमला पार्क जगदीश मंदिर में तीन दिवसीय जगदीश यात्रा का समापन आज भंडारे के साथ हुआ। जगदीश दास त्यागी के नेतृत्व में सभी लोगों ने भंडारे में सहयोग किया। प्रदेश भर से आए संतों ने इसमें हिस्सा लिया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदमः शुक्ल

उप-मुख्यमंत्री ने मां की स्मृति में पौधरोपण किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अभियान आज एक जन-आंदोलन बन गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने 5 करोड़ 50 लाख पौधरोपण का संकल्प लिया है। विगत दिनों भोपाल में एक दिन में रिकॉर्ड 12 लाख पौधे रोपे गए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में इंदौरवासियों ने 51 लाख पौधरोपण का संकल्प लिया है। शुक्ल ने कहा कि यह अभियान प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्यों को रेखांकित करता है, सेवा करने का अवसर प्रदान करता है। उप-मुख्यमंत्री ने भोपाल में चार इमली स्थित निवास के सम्मुख अपनी माताजी की स्मृति में बरगद के पौधे का रोपण किया। उप-मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अभियान में सहभागिता कर पौधरोपण करने और उनका संरक्षण करने के अपील की है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के साथ सांसद भारत सिंह कुशवाह और अन्य जनप्रतिनिधियों ने पौधों का रोपण किया। बरगद, नीम, कदंब सहित अन्य पौधों का रोपण किया गया।

भोपाल। मानुभान टेकरी पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह का जन्म दिवस पर.पर्यावरण बचाओ का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया इस। अबसरपर पूर्व पार्षद वत्सल जैन, सोनू भाभा, पूर्व पार्षद रवि वर्मा आकाश चौहान, राज राय, अखलाक, नासिर, सागर यादव, जुनैद, राहुल मंडलोई,आकाश जागीरदार, कपिल तिवारी आदि मौजूद रहे। युवा कार्यकर्ताओं ने 38 पौधे लगाकर उनके जन्म दिवस को धूमधाम से मनाया।

शहर में दस रूटों पर चलने वाली 149 बसों के छह दिन से थमे पहिये, आज होगी बैठक

भोपाल। शहर के दस रूटों पर बीते छह दिनों से नहीं चल रहीं 149 लो-फ्लोर बसों को लेकर मंगलवार को बैठक होगी। इस बैठक में भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) के अधिकारियों के साथ एजेंसी और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बैठक में गतिरोध समाप्त होने की उम्मीद है।ज्ञात हो कि टिकट कलेक्शन विवाद के चलते इन बसों के पहिए थमे हुए हैं। हालांकि, इस मामले को लेकर टिकट कलेक्शन करने वाली एजेंसी चलो एप को नोटिस जारी किया जा चुका है। चलो एप द्वारा प्रति किमी दी जाने वाली राशि घटाने की मांग की जा रही है। बीसीएलएल के अफसर एजेंसी से लगातार बात कर रहे हैं, लेकिन यह मुद्दा सुलझता नजर नहीं आ रहा। इसको ध्यान में रखकर बीसीएलएल ने नई एजेंसी के लिए टेंडर जारी किए हैं। नगर निगम की अपर आयुक्त निधि सिंह ने बताया कि एजेंसी से बातचीत चल रही है। नए टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। जब टिकट कलेक्शन को लेकर टेंडर हुए थे, तब बीच में रेट कम करने की कोई शर्त नहीं थी। इसलिए नई एजेंसी के लिए नए टेंडर जारी किए गए हैं। माना जा रहा है कि मंगलवार को होने वाली बैठक में आखिरी बार एजेंसी को अपनी मांग वापस लेने के लिए कहा जाएगा। एजेंसी द्वारा ऐसा न करने की सूरत में उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

विनोद नागर को मिला बालकवि बैरागी शिखर सम्मान

कोई सम्मान बड़ा या छोटा नहीं होताः श्रीधर

भोपाल। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कोई सम्मान बड़ा या छोटा नहीं होता। बल्कि हर सम्मान सृजनात्मकता की सामाजिक स्वीकार्यता का सूचक है। यह बात माधवराव सप्रे समाचारपत्र संग्रहालय के संस्थापक और वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने रविवार को भोपाल के गांधी भवन में निर्दलीय प्रकाशन के 51 वें वार्षिक सम्मान समारोह में कही। समारोह में एक सौ से अधिक साहित्यकारों/ पत्रकारों को सम्मानित किया गया। भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, समीक्षक और स्तंभकार श्री विनोद नागर बालकवि बैरागी बहुमुखी प्रतिभा शिखर सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में गांधी भवन न्यास के सचिव दयाराम नामदेव, बिहार के नव नालंदा महा विहार विवि के प्रो. विजय कुमार कर्ण और भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी सारस्वत अतिथि के बतौर मौजूद थे। इस अवसर पर निर्दलीय के संस्थापक संपादक कैलाश श्रीवास्तव आदमी, प्रबंध संपादक अशोक निर्मल, प्रिंस अभिषेक अज्ञानी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विमल भंडारी ने किया।

मप्र में 18 जिलों में बारिश का अलर्ट, दो सिस्टम एक्टिव

4 दिन से ग्वालियर-चंबल में चल रहा तेज बारिश का दौर , इंदौर में 6 दिन बाद निकली धूप

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से इन दिनों बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। पिछले 4 दिन से ग्वालियर-चंबल में तेज बारिश का दौर चल रहा है। सोमवार को 15 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई, जबकि मंगलवार को श्योपुर, छिंदवाड़ा, शिवपुरी समेत 18 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। इंदौर में 6 दिन बाद आज धूप खिली है।

आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, पिछले 48 घंटे में प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। नार्थ-ईस्ट राजस्थान के ऊपर और साउथ राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। वहीं, मानसून ट्रफ और नीचे आई है। यह प्रदेश में रायसेन, मंडला होते हुए गुजर रही है। इन सिस्टम की वजह से पूरे प्रदेश में तेज बारिश हो रही है। यह दौर अगले एक सप्ताह तक बना रहेगा।

बैतूल में 1.7 इंच बारिश, खजुराहो में सवा इंच पानी गिरा

मध्यप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। सोमवार को भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। बैतूल में सबसे ज्यादा 42 मिमी यानी, 1.7 इंच पानी गिर गया। खजुराहो में सवा इंच बारिश हुई। भोपाल में भी तेज बारिश का दौर चला। बालाघाट के मलाजखंड, नर्मदापुरम, इंदौर, खंडवा, खरगोन, नर्मदापुरम के पचमढ़ी और उज्जैन में भी बारिश दर्ज की गई।